मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, गुरुवार, 24 जुलाई 2025

संवत 2082, श्रावण कृष्ण 14 संवत मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 320 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ विज्ञान में लोक को प्रतिष्ठित करने की मुहिम

माइंडसेट को बनाओ मजबूत,नतीजे होंगे शानदार : रकुल प्रीत ◂◂ 6

सिमडेगा की अमीषा केरकेट्टा का यूथ ओलंपिक गेम्स के लिए चयन

संवाददाता

रांची: झारखंड की मिट्टी एक बार फिर साबित कर रही है कि यहां की बेटियां भी सपनों को साकार करने का जज्बा रखती हैं. सिमडेगा की 17 वर्षीय अमीषा केरकेट्टा का चयन अबूधाबी में आयोजित होने वाले यूथ ओलंपिक गेम्स के लिए हुआ है. अमीषा भारतीय टीम की ओर से बॉक्सिंग में हिस्सा लेंगी. यह खबर सिर्फ उनके परिवार के लिए नहीं बल्कि पूरे झारखंड के खेल प्रेमियों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

कई मेडल हासिल कर चुकी हैं बॉक्सर अमीषा : अमीषा का सफर आसान नहीं रहा. उनका परिवार बेहद साधारण है. पिता एक छोटे किसान हैं और मां गृहिणी. आर्थिक परेशानियों के बावजूद अमीषा ने कभी अपने सपनों से समझौता नहीं किया. वह झारखंड स्टेट स्पोर्ट्स प्रमोशन सोसाइटी की प्रशिक्षु हैं और अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित बीबी मोहंती की देखरेख में लगातार बॉक्सिंग की बारीकियां सीख रही हैं।

हाल ही में उन्होंने जूनियर वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीतकर देश का गौरव बढ़ाया था. इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुए एक्सपोजर टूर में भी उन्होंने मेडल हासिल किया. उनके इस निरंतर प्रदर्शन और मेहनत को देखते हुए उन्हें यूथ ओलंपिक गेम्स के कैंप के लिए चुना गया है।

हालात ठीक नहीं थे, लेकिन मैंने हार नहीं मानी: अमीषा : अमीषा ने कहा कि मैं लगातार मेहनत करती रही हूं. ग्रामीण परिवेश में होने के बावजूद बॉक्सिंग की ओर मेरा खिंचाव शुरू से रहा. परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत मजबूत नहीं थी, लेकिन मैंने हार नहीं मानी. आज मैं बॉक्सिंग में बेहतर कर रही हूं और यही मेरी सबसे बड़ी जीत है।

ओलपिंक गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व करना है: अमीषा का सपना सिर्फ यूथ ओलंपिक तक सीमित नहीं है. वह कहती हैं कि उनका लक्ष्य 2028 ओलंपिक गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व करना है. वह मानती हैं कि उनके कोच बीबी मोहंती ने ही उन्हें बॉक्सिंग की प्रेरणा दी और वही उनके सबसे बड़े मार्गदर्शक हैं. अमीषा बताती हैं कि 'कोच सर ने ही मुझे खेल के लिए तैयार किया. मैं सिर्फ रिंग में उतरती हूं, लेकिन मेरी ताकत मेरे माता-पिता और कोच सर हैं'। इस मौके पर उनके कोच बीबी मोहंती ने भी प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा कि 'अमीषा एक बेहद होनहार बॉक्सर है। जिस तरह की लगन और अनुशासन वह दिखाती है, वह दुर्लभ है। मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाले समय में वह न सिर्फ ओलंपिक खेलेगी, बल्कि देश के लिए भी मेडल जरूर जीतेगी'।

उनकी इस सफलता के पीछे खररढर की अहम भूमिका रही है, जहां से उन्हें प्रशिक्षण, खेल सामग्री और सही माहौल मिला. अमीषा का मानना है कि अगर सरकार और संस्थाएं ऐसे ही सहयोग करती रहें तो झारखंड जैसे राज्य से भी ओलंपिक चैंपियन निकल सकते हैं।

ईडी ने 3,000 करोड़ रुपए के यस बैंक लोन धोखाधड़ी मामले में अनिल अंबानी से जुड़ी संस्थाओं पर छापे मारे

नई दिल्ली : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को 3,000 करोड़ रुपए के यस बैंक लोन धोखाधड़ी मामले से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के लिए अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस समूह से संबंधित 35 से ज्यादा परिसरों, 50 कंपनियों और 25 से अधिक लोगों के कई ठिकानों पर छापे मारे हैं। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के बाद, ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस समूह द्वारा मनी लॉन्ड्रिंग के अपराध की जांच शुरू कर दी।

सूत्रों के अनुसार, इस मामले में नेशनल हाउसिंग बैंक, सेबी, नेशनल फाइनेंशियल रिपोर्टिंग अथॉरिटी (एनएफआरए), बैंक ऑफ बड़ौदा जैसी अन्य एजेंसियों और संस्थानों ने भी ईडी के साथ जानकारी साझा की।

ईडी की प्रारंभिक जांच में बैंकों, शेयरधारकों, निवेशकों और अन्य सार्वजनिक संस्थानों के साथ धोखाधड़ी करके जनता के पैसों को इधर-उधर करने/निपटाने की एक सुनियोजित और सोची-समझी

योजना का खुलासा हुआ है। साथ ही, यस बैंक लिमिटेड के प्रमोटर सहित बैंक अधिकारियों को रिश्वत देने का अपराध भी जांच के दायरे में है।

प्रारंभिक जांच में यस बैंक से (2017 से 2019 तक) लगभग 3,000 करोड़ रुपए के अवैध लोन डायवर्जन का पता चला है। ईडी ने पाया है कि लोन स्वीकृत होने से ठीक पहले, यस बैंक के प्रमोटरों को पैसा दिया गया था। एजेंसी रिश्वतखोरी और लोन के इस गठजोड़ की भी जांच कर रही है।

नियामक ने अनिल अंबानी से जुड़ी कंपनियों को यस बैंक द्वारा दिए गए लोन में कई नियमों का करते हुए उल्लंघन पाया है, जैसे कि क्रेडिट अप्रूवल मैमोरेंडम (सीएएम) पिछली तारीख के थे, बैंक की लोन नीति का उल्लंघन करते हुए बिना किसी उचित जांच/लोन विश्लेषण के निवेश प्रस्तावित किए गए थे।

लोन शर्तों का उल्लंघन करते हुए, इन लोन को आगे कई समूह कंपनियों और मुखौटा कंपनियों में डायवर्ट किया गया।

जानकारी के मुताबिक, सेबी ने आरएचएफएल मामले में अपने निष्कर्ष ईडी के साथ साझा किए हैं। आरएचएफएल द्वारा कॉर्पोरेट लोन में नाटकीय वृद्धि भी ईडी की जांच के घेरे में है। आरएचएफएल के कॉर्पोरेट लोन वित्त वर्ष 2017-18 में 3,742.60 करोड़ रुपए से एक ही साल में बढ़कर वित्त वर्ष 2018-19 में 8,670.80 करोड़ रुपए हो गए थे।

सूत्रों के अनुसार, जांच फिलहाल चल रही है। ईडी यस बैंक के अधिकारियों, समूह की कंपनियों और अनिल अंबानी की कंपनियों से जुड़ी वित्तीय अनियमितताओं के बीच संबंधों का पता लगाने की कोशिश कर रहा है।

बाबा बैद्यनाथ की नगरी में शिवभक्तों की गूंज, लाखों की संख्या में पहुंच रहे भक्त

देवघर : देवघर में श्रावणी मेला की रौनक है। हर रोज लाखों की संख्या में भक्त बाबा का जलाभिषेक करने बाबा मंदिर पहुंच रहे हैं। राजकीय श्रावणी मेला 2025 के 14वें दिन गुरुवार को प्रातः 04:11 बजे ही मंदिर का पट खुल गया। इसके साथ ही जलार्पण शुरू हो गया। बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर में शिवभक्तों की गूंज से रूट लाइन गुंजायमान है।

शीघ्रदर्शनम का लाभ उठा रहे कांवरिये : जानकारी के अनुसार, सभी कांवरिया लाइन में लगकर बाबा का जयघोष करते हुए जलार्पण के लिए निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। बाबा बैद्यनाथ मंदिर में श्रद्धालु शीघ्रदर्शनम का भी खूब लाभ उठा रहे हैं। बुधवार को लगभग 13362 श्रद्धालुओं ने शीघ्रदर्शनम से बाबा का दर्शन-पूजन किया।

देवघर में श्रद्धालुओं की भीड़ : बताया गया कि श्रावणी मेला के 13वें दिन यानी बुधवार को 2,02,115 श्रद्धालुओं ने जलार्पण किया। इस दौरान बाह्य अर्घा के माध्यम से जलार्पण करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 68,957 रही। जबकि आंतरिक अर्घा से 1,19,796 एवं शीघ्र दर्शनम के माध्यम से 13362 श्रद्धालुओं ने जलार्पण किया था। इधर, बुधवार को सुल्तानगंज के कृष्णगढ़ नियंत्रण कक्ष से मिली जानकारी के अनुसार बुधवार की रात 12 बजे तक 1,76,190 सामान्य कांवरिया बाबाधाम को रवाना हुए।

राष्ट्रपति के आगमन की तैयारी का सचिव और आईजी ने लिया जायजा

धनबाद: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के झारखंड आगमन को लेकर व्यापक तैयारी की जा रही है. 1 अगस्त को राष्ट्रपति आईआईटी-आईएसएम के दीक्षांत समारोह में भाग लेने वाली हैं. इसको लेकर संस्थान के परिसर समेत पूरे धनबाद में प्रशासनिक तैयारियां की जा रही हैं.

इसी कड़ी में वाणिज्य कर विभाग के सचिव अमिताभ कौशल एवं आईजी अखिलेश कुमार झा, निदेशक झारखंड पुलिस अकादमी रांची से धनबाद पहुंचे. आगामी 1 अगस्त 2025 को आईआईटी आईएसएम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पहुंचने वाली हैं. जहां दीक्षांत समारोह में वह शामिल होंगी. राष्ट्रपति के निर्धारित कार्यक्रम को लेकर एयरपोर्ट से कार्यक्रम स्थल तक रूट का बारीकी से निरीक्षण किया गया. उनके साथ डीसी आदित्य रंजन और एसएसपी प्रभात रंजन के साथ अन्य अधिकारी शामिल रहे।

दोनों पदाधिकारियों ने एयरपोर्ट से निरीक्षण आरंभ किया. इसके बाद धैया, बरटांड़, सिटी सेंटर चौक, लुबी सर्कुलर रोड, धनबाद सदर सीएचसी, रणधीर वर्मा चौक, जिला परिषद रोड, पुलिस लाइन होते आईआईटी आईएसएम पहुंचे. आईआईटी आईएसएम में उन्होंने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया।

वहीं आईआईटी आईएसएम में उन्होंने कार्यक्रम स्थल, प्रेसिडेंट सुइट, राज्यपाल, मुख्यमंत्री सहित अन्य गणमान्य अतिथियों के लिए निर्धारित आवासन, स्टेज, ग्रीन रूम, सेफ हाउस, वीआईपी पार्किंग के अलावा राष्ट्रपति के मिनट टू मिनट कार्यक्रम के अनुसार हर वस्तुस्थिति का निरीक्षण करते हुए समीक्षा की।

इस निरीक्षण के क्रम में दोनों पदाधिकारियों ने डीसी व एसएसपी को आवश्यक निर्देश देते हुए समय पर तैयारियों को पूर्ण कराने के लिए निर्देशित किया है. इस कार्यक्रम को लेकर सभी मोर्चे पर जोर-शोर से काम जारी है. इस दौरान धनबाद एयरपोर्ट में चल रही तैयारियों का भी जायजा लिया गया।

बताते दें कि इस बार आईआईटी आईएसएम का 45वां दीक्षांत समारोह का आयोजन होना है. इस दीक्षांत समारोह में 1 अगस्त को बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रपति शामिल होंगी. समारोह को भव्य बनाने के लिए एक और जहां आईएसएम जोर जोर से लगा हुआ है. वहीं दूसरी और जिला प्रशासन की लगातार बैठकर चल रही है. हालांकि राष्ट्रपति भवन से मिनट टू मिनट कार्यक्रम का नहीं आया है लेकिन राष्ट्रपति यहां करीब 1 घंटे रुकेंगी. इस कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति का भाषण, अवार्ड समेत अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई है. आईएसएम के लोअर ग्राउंड में कार्यक्रम आयोजित किया जाना है।

मानसून सत्र का चौथा दिन

बिहार एसआईआर मुद्दे पर विपक्ष का संसद के बाहर विरोध प्रदर्शन, सोनिया गांधी भी शामिल हुई

नई दिल्ली : मानसून सत्र के चौथा दिन की शुरूआत निचले सदन में भारी हंगामे के साथ हुई है। विपक्ष के सदस्य बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विषय पर चर्चा के लिए अड़ गए। परिणामस्वरूप, लोकसभा की कार्यवाही लगातार बाधित रही। संसद में विपक्ष के हंगामे के कारण गुरुवार को प्रश्नकाल नहीं चल सका। स्पीकर ओम बिरला की तरफ से विपक्ष के सदस्यों को समझाने की कोशिश की गई। हंगामा बरकरार रहने पर लोकसभा स्पीकर ने कार्यवाही को स्थगित कर दिया।

सदन की कार्यवाही स्थगित होने पर विपक्षी दलों के सदस्यों ने संसद के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। बैनर-पोस्टर लेकर विपक्षी

दलों के सदस्य संसद परिसर के मकर द्वार पर एकजुट हुए और जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान एसआईआर मुद्दे पर नारेबाजी की गई।सोनिया गांधी भी इसमें शामिल हुईं।वहीं प्रियंका गांधी ने खतरे में लोकतंत्र लिखा पोस्टर लहराया।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, जब भी विपक्षी नेता बोलना चाहते हैं, उन्हें बोलने नहीं दिया जाता। हम चर्चा की मांग कर रहे हैं।

एसआईआर मुद्दे पर कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने कहा, हमारा मानना है कि अभी लड़ाई चल रही है और ये लड़ाई जारी रखनी चाहिए। कल तो चुनाव है नहीं तो हमें लगता है कि निश्चित रूप से चुनाव आयोग सच्चाई को स्वीकार करेगा और लोगों को मतदान करने से वंचित नहीं किया जाएगा। इसलिए अभी ये आंदोलन चलेगा।

कांग्रेस सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा, यह बहुत गंभीर मुद्दा है चुनाव आयोग केवल भाजपा की सरकार बनाने के लिए काम कर रहा है। यह अब चुनाव आयोग नहीं रहा बल्कि भाजपा का पार्टी कार्यालय बन गया है

सांसद मनोज झा ने कहा, अगर हमारा चुनाव आयोग का व्यवहार बांग्लादेश चुनाव आयोग की तरह होगा तो दलों और नागरिकों के पास कोई विकल्प नहीं रहेगा. एक भी वो विदेशी वोटर का नाम बता दें अगर ये सरकार के इरादे पर बिहारियों को बेदखल करनी की योजना बना रहे हैं तो ये आग से खेल रहे हैं।

'क्या हमें फर्जी मतदाताओं को मतदान करने देना चाहिए?

बिहार मुद्दे पर चुनाव आयोग ने पूछे गंभीर सवाल

नई दिल्ली : बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण की मांग को लेकर विपक्ष सरकार पर हमलावर है। इसे लेकर बिहार विधानसभा और संसद में हंगामा जारी है। अब चुनाव आयोग ने बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण मामले पर बयान जारी किया है और सवाल किया है कि क्या चुनाव आयोग को फर्जी मतदाताओं को भी मतदाता सूची में शामिल कर लेना चाहिए?

चुनाव आयोग ने बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण मामले पर हो रही आलोचना को लेकर कहा कि 'भारत का संविधान, भारतीय लोकतंत्र की मां है। तो क्या विरोध से डरकर चुनाव आयोग को कुछ लोगों के दबाव में भ्रमित हो जाना चाहिए और उन लोगों का रास्ता साफ कर देना चाहिए, जो मृत मतदाताओं के नाम पर फर्जी मतदान करते हैं? जो मतदाता स्थायी तौर पर पलायन कर गए हैं, जो मतदाता फर्जी या विदेशी हैं, क्या उन्हें संविधान के खिलाफ जाकर, पहले बिहार में और फिर पूरे देश में मतदान करने दें?'

चुनाव आयोग ने पूछा कि 'क्या हमें निष्पक्ष प्रक्रिया के जरिए मतदाता सूची को तैयार नहीं करना चाहिए? मतदाता सूची ही निष्पक्ष चुनाव और मजबूत लोकतंत्र का आधार होती है। इन सभी सवालों पर हम सभी भारतीयों को गंभीरता से और राजनीतिक वैचारिकता से परे जाकर विचार करना चाहिए। इन सभी मुद्दों पर अब गंभीरता से विचार करने का सही समय आ गया है।'

लाखों मतदाताओं के कट सकते हैं नाम : बिहार में चुनाव आयोद द्वारा मतदाता सूची का पुनरीक्षण किया जा रहा है। जिसका विपक्ष द्वारा विरोध किया जा रहा है। दावा किया जा रहा है कि पुनरीक्षण में बिहार में कम से कम 56 लाख मतदाताओं के नाम कट सकते हैं। इसमें 20 लाख मतदाताओं का निधन हो चुका है। 28 लाख ऐसे मतदाताओं की पहचान की गई जो अपने पंजीकृत पते से स्थाई रूप से पलायन कर गए हैं। वहीं, एक लाख मतदाता ऐसे हैं जिनका कुछ पता नहीं है। 7 लाख मतदाता एक से अधिक स्थान पर पंजीकृत पाए गए हैं।

चुनाव आयोग के इस विशेष अभियान से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि करीब 15 लाख मतदाता अभी भी ऐसे हैं जिन्होंने अपने गणना प्रपत्र वापस नहीं किए हैं। इन्हें लेकर चुनाव आयोग राजनीतिक दलों के साथ गणना प्रपत्र एकत्र करने की कवायद कर रहा है। अब तक 7.7 करोड़ से ज्यादा मतदाता फॉर्म (कुल मतदाताओं का 90.89 फीसदी) मिल चुके हैं और इनकी डिजिटलीकरण भी कर दिया गया है।

2006 मुंबई ट्रेन ब्लास्ट केस

सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाई

12 आरोपियों को किया गया था बरी

मुंबई : सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को 2006 के मुंबई लोकल ट्रेन विस्फोट मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट के 12 आरोपियों को बरी करने के फैसले पर अंतरिम रोक लगा दी है। हालांकि, शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया है कि आरोपियों की रिहाई पर फिलहाल कोई रोक नहीं लगाई गई है।महाराष्ट्र सरकार ने बॉम्बे हाईकोर्ट के सभी आरोपियों को बरी करने के फैसले को चुनौती देते हुए कोर्ट में याचिका दायर की है। मुंबई में साल 2006 में हुए सीरियल बम ब्लास्ट मामले में सोमवार को हाईकोर्ट ने 12 आरोपियों को बरी कर दिया था। कोर्ट के आदेश के बाद सोमवार

शाम 12 में से दो आरोपियों को नागपुर सेंट्रल जेल से रिहा कर दिया गया था। हाईकोर्ट के इस फैसले पर अब सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। इसके साथ ही 1 महीने के भीतर जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है।

यह मामला 11 जुलाई 2006 का है, जब मुंबई की लोकल ट्रेनों में शाम के समय मात्र 11 मिनट के अंदर सात अलग-अलग जगहों पर सीरियल बम धमाके हुए थे। इन धमाकों में 189 लोगों की जान चली गई थी और 827 से अधिक लोग घायल हुए थे। इस घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया था।नवंबर 2006 में इस मामले में चार्जशीट दाखिल की गई थी। इसके बाद 2015 में ट्रायल कोर्ट ने 12 आरोपियों को दोषी ठहराया था, जिसमें 5 को फांसी और 7 को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। इसके बाद आरोपियों ने हाईकोर्ट में अपील दायर की थी। जनवरी 2025 में इस मामले की सुनवाई पूरी हुई थी, और तब से कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रखा था। येरवडा, नाशिक, अमरावती और नागपुर जेल में बंद आरोपियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया गया।

न्यूज IN ब्रीफ

फार्मेसी काउंसिल सदस्यों के चयन अनियमितता को लेकर विरोध प्रर्दशन

मुरी : झारखंड स्टेट फारमेर्सी काउंसिल में रजिस्ट्रार समेत मनोनीत एवं इलेक्ट सदस्यों में चयन मे विवाद को लेकर झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा ने बुधवार को काउंसिल गेट के समक्ष जमकर विरोध-प्रदर्शन किया। काफी देरी तक धरना-प्रदर्शन में डेट रहे। स्थानीय थाना बरियातू दलबल के साथ पहुंचे। आंदोलनकारियो ने शहीद महापुरुषों का जय घोष करते हुए धरना में चार घंटों तक डटे रहे। अंततः प्रशासन के पहल से काउंसिल मेंबर के विवादित रजिस्ट्रार प्रशांत कुमार पांडे से सबों के बीच वार्ता चला। आंदोलनकारियो के तीखे सवालों से काउंसिल निबंधक सह सचिव पीछे हटे। निबंधक प्रशांत पांडे चलती वार्ता के बीच से उठ कर निकल पड़े। आंदोलन के नेतृत्व कर्ता देवेंद्रनाथ महतो ने काउंसिल प्रबंधक को अपना लिखित ज्ञापन सौंपते हुए एक सप्ताह का अल्टीमेटम दिया और कहा राज्य के मुल वासीयों के अधिकार के लिए हमारा संगठन कटिबंध है। काउंसिल गैर सरकारी व गैर झारखंडियों के कब्जे में मनमानी तरीके से संचालित हो रही है। तमाम विसंगतियों को दूर करने के लिए हमारा आंदोलन जारी रहेगा। 13 अप्रैल 2025 को ही वर्तमान ओपबंधिक रजिस्ट्रार सह सचिव का कार्यकाल समाप्त हो गया है। काउंसिल के वर्तमान इलेक्टेड मेंबर को फर्जी पत्रचार के माध्यम से चयनित कर लिया गया है। साथ ही श्री महतो ने वर्तमान इलेक्ट एवं मनोनीत सदस्यों के चयन प्रक्रिया की स्वतंत्र जांच एवं विवादित निबंधक प्रशांत पांडे के सर्विस रिकॉर्ड को जांच करने का मांग किया।आज के एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन के दौरान देवेंद्रनाथ महतो, दमयंती मुंडा, फुलेश्वर बैठा, विनोद संवासी, सूरज कुमार साहू, लीलावती देवी, संजय महतो, सूरज सिंह, रतिया गंझू, जयंती देवी, अयुब अली, राजु चेडी, आरसद अली, सहबाज आलम, महावीर साहू, जलेश्वर मार्शल आदि हजारों पदाधिकारी व जनसाधारण मोजुद रहे।

31 जुलाई तक ई-केवाईसी नहीं कराने वालों का राशन कार्ड से कटेगा नाम

चतरा : राशन कार्डधारियों को ई-केवाईसी - के लिए अंतिम मौका दिया गया है। ई-केवाईसी का अंतिम तिथि 31 जुलाई तक निर्धारित की गई है। इस तिथि तक ई-केवाईसी नहीं कराने वाले लोगों का कार्ड से नाम हटा दिया जाएगा। यह जानकारी जिला आपूर्ति पदाधिकारी मनिंद्र भगत ने दी। उन्होंने बताया कि जिले में - राशन कार्ड में 8 लाख 70 हजार 552 सदस्य हैं। इसकी तुलना में अब तक मात्र 6 लाख 54 हजार 571 लोगों ने ही ई-केवाईसी कराया है, जो 75 प्रतिशत है। 2 लाख 15 हजार 881 लोगों ने अब तक ई-केवाईसी नहीं कराया है। राशन कार्ड धारक जल्द से जल्द अपने जनवितरण प्रणाली दुकानदार से संपर्क कर ई-केवाईसी अवश्य करा लें। उन्होंने कहा कि अब लोग घर बैठे भी अपना ई-केवाईसी कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें अपने मोबाइल पर मेरा ई केवाईसी के नाम से एप लोड करना होगा। यह एप उन राशन कार्डधारियो के लिए उपयोगी है, जिन राशन कार्ड धारकों का अंगूठा नहीं ले रहा है। इस ऐप में चेहरा और आंख से ई-केवाईसी हो जाएगी।

खरीफ 2025 के लिए बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का प्रचार-प्रसार रथ रवाना

चतरा : खरीफ 2025 के अंतर्गत बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के सफल क्रियान्वयन को लेकर बुधवार को समाहरणालय परिसर से उपायुक्त श्रीमती कीर्तिश्री ने किसानों को जागरूक करने हेतु प्रचार-प्रसार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि यह प्रचार रथ जिले के सभी प्रखंडों का भ्रमण कर किसानों को फसल बीमा योजना की जानकारी देगा, जिससे वे अपनी फसलों का बीमा समय पर करवा सकें और प्राकृतिक आपदाओं या अन्य कारणों से फसल क्षति होने की स्थिति में उचित मुआवजा प्राप्त कर सकें।खरीफ 2025 के लिए निर्धारित बीमित राशि भदई मकई (मक्का): ?48,300.00 प्रति हेक्टेयर, अगहनी धान: ?63,525.00 प्रति हेक्टेयर है। उपायुक्त ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देशित किया कि वे अधिकाधिक किसानों को इस योजना से जोड़ने हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार करें। उन्होंने कहा कि यह योजना किसानों के हित में अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिससे फसल क्षति की स्थिति में उन्हें आर्थिक सुरक्षा प्रदान की जा सके। इस अवसर पर जिला सहकारिता पदाधिकारी, अनुमंडल कृषि पदाधिकारी, जिला सूचना एवं जन संपर्क पदाधिकारी, सहायक निबंधक सहयोग समितियां,सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी, कर्मी एवं कृषक मित्र उपस्थित थे। सभी ने फसल बीमा योजना की सफलता हेतु संकल्प लिया।

हंटरगंज: स्थानीय थाना के मंदिर में प्रेमी युगल ने रचाई शादी,दो वर्षों से चल रहा था प्रेम प्रसंग

चतरा : नाटकीय घटनाक्रम में बुधवार को एक प्रेमी युगल ने हंटरगंज थाना परिसर स्थित मंदिर में शादी रचाई। क्षेत्र में इस अनूठे मामले की जोरदार चर्चा है। मिली जानकारी के मुताबिक थाना क्षेत्र के पांडेपुरा निवासी लक्ष्मण ठाकुर की 21 वर्षीय पुत्री मनीषा कुमारी और इसी थाना क्षेत्र के गेरुआ निवासी बाबूलाल ठाकुर के 23 वर्षीय पुत्र पंकज ठाकुर के बीच दो वर्ष से प्रेम प्रसंग चल रहा था। लड़की ने कई बार विवाह की कोशिश की, लेकिन लड़का के द्वारा हर बार टाल दिया जाता था। इससे परेशान होकर बुधवार की शाम मनीषा खुद हंटरगंज थाना पहुंची और इसकी लिखित शिकायत की।थाने से लड़के पक्ष को बुलाया गया। पुलिस की समझाने पर परिवार की मौजूदगी में शाम छः बजे थाना परिसर में स्थित शिव मंदिर में दोनों ने एक-दूसरे को जयमाला पहनाया और सात फेरे लिए। पंकज ने मनीषा की मांग में सिंदूर भरा और अंगूठी पहनाई। विवाह के दौरान लड़के और लड़की के माता-पिता सहित परिजन मौजूद रहे और नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद दिया।

उपायुक्त ऋतुराज ने किया जयनगर अंचल कार्यालय का औचक निरीक्षण

- कार्य निष्पादन में पाई गई कई अनियमितताएं, सभी कर्मचारियों का वेतन पर रोक, एक राजस्व कर्मचारी निलंबित
- कार्य में सुधार लायें, आमजनों के हित के लिए कार्य करें: उपायुक्त ऋतुराज

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा : उपायुक्त ऋतुराज द्वारा बुधवार को जयनगर प्रखंड अंतर्गत अंचल कार्यालय, आंगनवाड़ी केन्द्रों, उत्क्रमित उच्च विद्यालय रूपयाडीह का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अंचल कार्यालय में कार्यों के निष्पादन में गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। उपायुक्त ने सर्वप्रथम कार्यालय में आगत-निर्गत रजिस्टर एवं स्टॉक रजिस्टर का अवलोकन किया, जिसमें पत्राचार व रिकॉर्ड संधारण में भारी लापरवाही उजागर हुई। आपदा प्रबंधन से संबंधित पत्रों का समुचित संधारण नहीं किया गया था और कई महत्वपूर्ण मामलों का निस्तारण अब तक लंबित पाया गया। राजस्व कर्मचारियों के दैनिक कार्य आवंटन और लॉग बुक की भी जांच की गई, जिसमें किसी भी कर्मचारी के पास लॉग बुक नहीं मिला और कार्यों के प्रति लापरवाही स्पष्ट रूप से सामने आई। दाखिल- खारिज जैसे महत्वपूर्ण मामलों में भी अत्यधिक विलंब पाया गया, कई मामले 30 से 90 दिनों से अधिक समय से लंबित हैं। ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से दाखिल- खारिज, भूमि नापी जैसे कार्यों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने कर्मचारियों की धीमी कार्यप्रणाली पर गहरी नाराजगी व्यक्त की।

उपायुक्त द्वारा लिए गए प्रमुख निर्णय : अंचल कार्यालय के सभी कर्मचारियों का वेतन तत्काल प्रभाव से रोका गया। एक राजस्व कर्मचारी को कर्तव्यहीनता के आधार पर निलंबित करने का निर्देश दिया गया. संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध सुधारात्मक कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि शासकीय कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी एवं जनता से जुड़े विषयों में पारदर्शिता और तत्परता आवश्यक है।

कोटपा अधिनियम के तहत नवलशाही व फुलवरिया बाजार में छापामारी

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा : उपायुक्त कोडरमा के निर्देशानुसार 23 जुलाई 2025 को टोबैको कंट्रोल सेल एवं खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, कोडरमा की संयुक्त टीम द्वारा कोटपा 2003 के झारखंड संशोधन अधिनियम 2021 के तहत नवलशाही बाजार एवं फुलवरिया बाजार में छापामारी अभियान चलाया गया। इस दौरान कुल 40 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया, जिनमें से 08 प्रतिष्ठानों को धारा 6 (ए) के उल्लंघन पर चिन्हित करते हुए कुल 2100 रुपये का जुमार्ना वसूला गया। दुकानदारों को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि धारा 6 (ए) के अनुसार ₹नो स्मोकिंग/नो तंबाकू बिक्री₹ का साइनेज प्रतिष्ठानों में अनिवार्य रूप से प्रदर्शित किया जाए। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने जानकारी दी कि यह कार्रवाई शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी कार्यालयों, अस्पतालों एवं न्यायालय परिसरों के 100 मीटर के दायरे में संचालित दुकानों पर की गई। दुकानदारों को चेतावनी दी गई कि तंबाकू सेवन कर सार्वजनिक स्थानों पर थूकने पर 1000 रुपये तक का जुमार्ना लगाया जा सकता है। साथ ही, दुकानदारों को अवगत कराया गया कि झारखंड संशोधन अधिनियम 2021 के अनुसार अब तंबाकू उत्पादों की बिक्री की न्यूनतम आयु सीमा 21 वर्ष कर दी गई है। उन्हें यह भी बताया गया कि शिक्षण संस्थानों के 100 गज के दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री व सेवन पूरी तरह प्रतिबंधित है। खाद्य प्रतिष्ठानों के निरीक्षण के दौरान दुकानों को जल्द से जल्द फूड लाइसेंस लेने का निर्देश दिया गया। मध्य विद्यालय फुलवरिया में मध्याह्न भोजन की जांच भी की गई, जहां नमक, चावल के सैंपल जांच हेतु संग्रहित किए गए। साथ ही साफ-सफाई एवं स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए। शिवगंगा स्वीट्स से पनीर का सैंपल लिया गया। इस छापामारी अभियान में खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी प्रकाश चंद्र, जिला परामर्शी दीपेश कुमार, सामाजिक कार्यकर्ता हिमांशु कुमार सहित अन्य कर्मी उपस्थित थे।

वन विभाग के कर्मियों पर हमला कर फरार

आरोपी सेवानिवृत्त सैनिक महेश बांडों गिरफ्तार

चतरा : वन कर्मियों पर हमला करने के मामले में वन क्षेत्र पदाधिकारी सूर्यभूषण कुमार के आवेदन पर सदर थाना में दर्ज प्राथमिकी के 48 घंटे के अंदर चतरा पुलिस ने आरोपी सेवानिवृत्त सैनिक महेश बांडों को गिरफ्तार कर दिया। इस मामले में 13 लोगों के विरुद्ध नामजद व 12 अज्ञात ग्रामीणों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने डाढ़ा गांव निवासी मुख्य अभियुक्त सेवानिवृत्त सैनिक महेश बांडों के अलावा इतलेश भुइयां, प्रदीप लोहरा, गोला भुइयां, अनिल तिर्की, बलराम लोहरा, जीतू तिर्की, जितेंद्र भुइयां, सनी भुइयां, मुकेश भुइयां, प्रमोद भुइयां, वकील भुइयां, बिरसा उरांव समेत 12 अज्ञात ग्रामीणों पर भी प्राथमिकी दर्ज की है। ज्ञात हो कि सोमवार को चतरा सदर अस्पताल में प्रखंड क्षेत्र के डाढ़ा गांव के एक दर्जन से अधिक ग्रामीणों ने वन विभाग के निहत्थे वन रक्षियों पर हमला बोलकर कर सेवानिवृत्त सैनिक महेश बांडों को छुड़ाकर भाग गए थे। वन विभाग की ओर से सदर प्रखंड क्षेत्र के डाढ़ा गांव में वन रोपन का काम कराया जा रहा है। वन विभाग अपने वन भूमि पर पेड़ पौधे लगवा रहा है। डाढ़ा गांव के रहने वाले सेवानिवृत्त सैनिक महेश बांडों पर ग्रामीणों के साथ मिलकर पेड़ पौधे लगाने के लिए खोदे गए गड्ढे को भरवाने का आरोप है। इस मामले को लेकर गांव में जमकर हो हंगामा हुआ था। इसके बाद वन कर्मियों ने महेश बांडों को गिरफ्तार कर लिया था। वन कर्मियों ने उसे गिरफ्तार कर वन विभाग कार्यालय लाया। और इसके विरुद्ध वन अधिनियम के तहत मामला दर्ज करते हुए जेल भेजने की तैयारी की जा रही थी।

बारिश से सड़क का गार्डवाल ढहा, ग्रामीणों की बढ़ी चिंता

सिल्ली : सिल्ली रंगामाटी मुख्य सड़क मार्ग में घाटद्वार से बंता जाने वाले सड़क पर बासुडीह के समीप सड़क किनारे बना गार्डवाल बारिश से बुधवार को ढह गया. आलम यह है कि समय रहते इस ओर ध्यान नही दिया गया तो कभी भी पानी का तेज बहाव से सड़क पर बना पुलिया और सड़क बह जायेगा और आसपास के ग्रामीणों का आवाजाही ठप हो जायेगा. बासुडीह निवासी वार्ड राजकिशोर महतो ने बताया यह स्तिथि विभाग और ठेकेदार के कारण अनदेखी के कारण हुआ है. करोड़ों की लागत से बर्ष 20-21में उक्त सड़क में कालीकरण का कार्य हुआ है सड़क बनने के बाद ठेकेदार कभी यहां झांकने तक नही आया, जबकि गार्डवाल पूर्व से ही क्षतिग्रस्त था. इतना ही नही सड़क निर्माण में भी काफी अनियमितता बरती गई है सड़क बनते के साथ ही उखड़ने लगा था कई बार विभाग के अधिकारीयों को ग्रामीण शिकायत भी किया लेकिन ग्रामीणों का शिकायत को अधिकारी नजरअंदाज करता रहा।

दि आर्ट ऑफ लिविंग का श्रावण महारुद्राभिषेकम पूजा 2025 धूमधाम से संपन्न

वैदिक धर्म संस्थान बेंगलुरु से पधारे ब्रह्मचारी शिवानंद जी श्रद्धालु सैकड़ों भक्तजनों को कराया महारुद्राभिषेक

चतरा : दि आर्ट ऑफ लिविंग चतरा चैप्टर के तत्वावधान में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पवित्र श्रावण मास में वैदिक धर्म संस्थान, बेंगलुरु से अपने वेदाचार्यों के साथ पधारे ब्रह्मचारी श्री शिवानंद जी के परम सान्निध्य में स्थानीय गंदौरी मंदिर कैंपस, चतरा स्थित अक्षरा एन्क्लेव हॉल में बुधवार संध्या 7 बजे से महारुद्राभिषेक पूजा का आयोजन किया गया जिसका नेतृत्व लिविंग के वैदिक धर्म संस्थान के चतरा समन्वयक चंद्रशेखर लाल गुप्ता, प्रशिक्षक विकास कुमार स्नेही, दीपक कुमार व रेणु रीना ने किया।कार्यक्रम में 37 संकल्पित यजमानों सहित सौ से अधिक श्रद्धालु भक्तजनों ने भाग लेकर रुद्राभिषेक पूजा का पुण्यलाभ किया।पूजा के उपरांत सत्संग का नेतृत्व बिकास रॉय व प्रशिक्षिका श्रीमती रेणु रीना ने किया। सिंथेसाइजर पर दीपक कुमार व ढोलक पर बिकास रॉय ने संगति की। श्रीमती माधवी गुप्ता, रेणु रीना व गुंजा मिश्रा ने अपने सुमधुर भक्ति गीतों से उपस्थित भक्तजनों को भक्तिमय कर दिया। कौशल किशोर जी के सौजन्य से पचास किलो खीर प्रसाद का वितरण किया गया।कार्यक्रम के सफल आयोजन में लिविंग के जिला विकास समिति सदस्य सर्व श्री अमित कुमार (एडवोकेट), चंद्रशेखर लाल गुप्ता (मुख्य यजमान), माधवी गुप्ता, नवल किशोर, मनिता कुमारी, चन्द्रदेव प्रसाद, सरोज कुमारी, सौरभ मिश्रा, गुंजा मिश्रा, मीना देवी, नीलम जायसवाल, कविता फूलवंती, तारा देवी, काली प्रजापति, गेंदिया देवी, बिपिन जायसवाल, करुणा जायसवाल, अवधेश जायसवाल, अनुभव कुमार, बबिता देवी आदी लोग शामिल थे।

प्रतापपुर प्रखंड में सेविकाओं एवं पोषण सखी की बैठक सम्पन्न

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी रीना साहू ने की अध्यक्षता

संवाददाता

चतरा : प्रतापपुर प्रखंड सभागार में बुधवार को जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती रीना साहू की अध्यक्षता में आंगनबाड़ी सेविकाओं एवं पोषण सखी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य पोषण, बाल विकास और योजनाओं के सुचारू क्रियान्वयन की समीक्षा एवं आवश्यक दिशा-निर्देश देना था।बैठक में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने उपस्थित सेविकाओं एवं पोषण सखियों से क्षेत्र में संचालित योजनाओं की अद्यतन जानकारी ली तथा उनके कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पोषण ट्रैकर ऐप में समय पर एंट्री सुनिश्चित की जाए।तीन वर्ष से कम उम्र के बच्चों, किशोरी बालिकाओं, गर्भवती एवं धात्री माताओं को नियमित रूप से पोषण सेवा उपलब्ध कराई जाए।बैठक में प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के अंतर्गत 15 जुलाई से 31 जुलाई 2025 तक चलाए जा रहे विशेष पंजीकरण अभियान की भी समीक्षा की गई। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती रीना साहू ने निर्देश दिया कि योग्य लाभुकों का शत-प्रतिशत पंजीकरण ड्यू लिस्ट के आधार पर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी आंगनबाड़ी सेविकाओं को निर्देशित किया कि पात्र गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं को योजना की विस्तृत जानकारी दी जाए। ड्यू लिस्ट के अनुसार घर-घर संपर्क कर लाभुकों का नाम, आधार, बैंक खाता आदि विवरण एकत्र कर पीएमएमभीवाई पोर्टल पर पंजीकरण पूर्ण किया जाए। योजना का उद्देश्य गर्भावस्था के दौरान पोषण, स्वास्थ्य देखभाल और आर्थिक सहायता प्रदान करना है। उन्होंने यह भी कहा कि इस अभियान की नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी और उत्कृष्ट कार्य करने वाली सेविकाओं को प्रोत्साहित किया जाएगा।पोषण अभियान, टीएचआर वितरण, वजन लंबाई ऊंचाई, की पोषण ट्रैकर में इंट्री एवं समुदाय आधारित गतिविधि आयोजित की जाए। कुपोषण की पहचान कर उच्च जोखिम वाले बच्चों को चिन्हित कर कुपोषण उपचार केंद्र में भर्ती कराया जाय। श्रीमती साहू ने कहा कि पोषण सखियाँ समुदाय में पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में एक सेतु का कार्य करती हैं, अतः उन्हें नियमित रूप से घर-घर संपर्क करना चाहिए। बैठक में प्रखंड बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, सुपरवाइजर, विभिन्न केंद्रों की सेविकाएं एवं पोषण सखियाँ मौजूद थीं। उपस्थित कर्मियों ने पोषण मिशन की सफलता के लिए संकल्प लिया।

एफएनएचडब्ल्यू विषय पर क्षेत्रीय कार्यशाला में बोलीं मंत्री दीपिका पांडेय सिंह

महिलाओं के मेंटल वेलनेस का ख्याल रखना जरूरी

संवाददाता

रांची: भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय, झारखंड स्टेट लाइवली हुड प्रमोशन सोसाइटी(जेएसएलपीएस) की ओर से रांची के होटल बीएनआर में दो दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला का बुधवार को समापन हो गया। इस कार्यशाला में देश के 14 राज्यों से स्वयं सहायता समूह से जुड़ी दीदियों और प्रतिनिधियों ने शिरकत की।

एसएचजी की महिलाओं का अहम योगदान : कार्यशाला के समापन समारोह को संबोधित करते हुए झारखंड की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि हेल्थ इज वेल्थ। हमने देखा है कि एक बीमारी की चपेट में आने से कैसे एक परिवार गरीबी के आगोश में आ जाता है। ग्रामीण विकास मंत्री ने कहा कि स्वयं सहायता समूह की दीदियों के सहयोग के बिना कोई भी योजना पूरी नहीं हो सकती है।

महिलाओं के मेंटल हेल्थ पर चर्चा : ग्रामीण विकास मंत्री ने कहा कि हम महिलाओं की हर तरह की हेल्थ की बात करते हैं, लेकिन अब समय आ गया है कि उनके मेंटल हेल्थ वेलनेस पर भी चर्चा हो और उसके लिए कार्य योजना बनाई जाए। कार्यक्रम के दौरान मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि हमारे राज्य की जेएसएलपीएस की दीदियां लगातार बेहतर कार्य कर रही हैं।

राज्य सरकार भी राज्य की महिलाओं को सशक्त करने के लिए कई तरह की योजनाएं चला रही हैं। मंईयां सम्मान योजना के रूप में 2500 रुपये महिलाओं को देकर सरकार न सिर्फ उन्हें स्वावलंबी बना रही है, बल्कि उनमें आत्मविश्वास भी पैदा कर रही है। सभी योजनाओं को धरातल पर उतरने में जेएसएलपीएस की दीदियां सहयोग कर रही हैं।

जोहार प्रोजेक्ट कर रहा बेहतर काम : मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि राज्य में जोहार प्रोजेक्ट भी बेहतर काम कर रहा है और जोहार मिशन से दीदी करोड़पति बन रही हैं। दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि राज्य सरकार को महिलाओं के मेंटल वैलनेस पर भी काम करने की जरूरत है और केंद्र सरकार से भी उम्मीद है कि वह सहयोग करेगी, ताकि ग्रामीण स्तर पर महिलाएं छोटी और बड़ी इंडस्ट्री चलाकर सशक्त हो सकें।

महिलाओं के संगठन का ख्याल रखना जरूरी : वहीं कार्यक्रम में ग्रामीण विकास मंत्रालय के पूर्व सचिव एनएन पांडेय ने कहा कि अगर 2047 तक विकसित भारत का सपना पूरा करना है तो महिलाओं के संगठन और स्वास्थ्य के साथ-साथ उनकी समृद्धि का भी ख्याल रखना होगा। उन्होंने कहा कि जो देश हम से आगे निकल गए हैं उन्होंने अपने नागरिकों का खास ख्याल रखा। विकास के लिए हमें सामाजिक और जेंडर समानता की भी जरूरत है। उन्होंने कहा कि कई रिसर्च बताते हैं कि पोषण बढ़ने से प्रोडक्टिविटी भी बढ़ जाती है।

एसएचजी दीदियों की प्रदर्शनी की सराहना : क्षेत्रीय कार्यशाला के दौरान होटल बीएनआर में ही बिहार, झारखंड, लद्दाख, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब सहित 14 राज्यों से स्वयं सहायता समूह की दीदियों ने अपने-अपने उत्पाद की प्रदर्शनी लगाई। जिसकी सराहना ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने की।

इलाजरत हॉकी खिलाड़ी विमल लकड़ा से मिले सीएम

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने बुधवार को दीपाटोली स्थित क्यूरेस्टा अस्पताल पहुंचे। मुख्यमंत्री ने वहां इलाजरत पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी विमल लकड़ा से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने वहां उपस्थित चिकित्सकों से श्री विमल लकड़ा के स्वास्थ्य में हो रहे सुधार से संबंधित विस्तृत जानकारी प्राप्त की तथा उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री सरकार और जनता दोनों के लिए बोझ : बाबूलाल मरांडी

रांची : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने स्वास्थ्य मंत्री पर बड़ा निशाना साधा। श्री मरांडी ने कहा कि साहिबगंज की हृदयविदारक घटना ने एक बार फिर झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खोल दी है। बीमार किशोरी को खाट पर लादकर अस्पताल ले जाना पड़ा और मौत के बाद भी शव ले जाने के लिए एंबुलेंस तक नहीं मिली। परिजन शव को खाट पर रखकर 10 किलोमीटर पैदल चलने को मजबूर हुए। कहा कि स्वास्थ्य मंत्री ने एंबुलेंस संचालन की जिम्मेदारी अपने करीबी को सौंप दी है और सरकारी अस्पताल के कामकाज में उनका अबोध बेटा भी हस्तक्षेप कर रहा है। ऐसे निकम्मे मंत्री न सिर्फ सरकार पर, बल्कि जनता पर भी बोझ बन चुके हैं।

उन्होंने मुख्यमंत्री जी से आग्रह करते हुए कहा कि स्वास्थ्य विभाग और एंबुलेंस सेवाओं की तत्काल समीक्षा करें और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सख्त और प्रभावी दिशा-निर्देश जारी करें, ताकि जनता को बुनियादी सुविधाओं के लिए परेशानी न झेलनी पड़े।

तुगलकी फरमान वापस ले विवि प्रशासन : आजसू

रांची : अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) एवं विभिन्न छात्र संगठनों ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के द्वारा जारी तुगलकी फरमान को वापस लेने के लिए कुलसचिव का घेराव किया। सभी ने इस तुगलकी फरमान के कागज को कुलसचिव के समक्ष फाड़ दिया ।

आजसू के प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय के द्वारा छात्र-छात्राओं की आवाज को दबाने के लिए इस तरह का तुगलकी फरमान विश्वविद्यालय के द्वारा जारी किया गया है जो छात्र लोकतंत्र की हत्या करने जैसा है अविलंब विश्वविद्यालय प्रशासन इस तुगलकी फरमान को वापस करें अन्यथा आजसू अनिश्चितकालीन तालाबंदी करेगी।

इस अवसर पर आजसू से प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा, ऋतुराज शहदेव, ज्योत्स्ना केरकेट्टा , राजेश सिंह,चेतन प्रकाश,अजीत कुमार, सक्षम झा, सीनेट सदस्य शशांक राज, पवन नाग, हुसैन अंसारी, अमन तिवारी ,अशद टिंकू, प्रेम प्रतीक, कमलेश बमबारी, एबीवीपी से दिशा दुष्टा, हर्ष, अंशुल ,इत्यादि लोग उपस्थित थे।

डबल इंजन वालों ने जो हाथी उड़ाया है उसका खामियाजा पूरा राज भुगत रहा है : कांग्रेस

स्वास्थ्य में आत्मनिर्भर बन रहा झारखंड

संवाददाता

रांची : साहिबगंज की एक दुखद घटना को राजनीतिक हथियार बनाकर झूठा नैतिक आवरण ओढ़ने वाले बाबूलाल मरांडी को झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव आलोक कुमार दूबे ने करारा जवाब देते हुए कहा है कि जिन लोगों ने राज्य की बुनियादी स्वास्थ्य व्यवस्था को जानबूझकर जर्जर हालत में छोड़ा, वे आज सबसे ज्यादा शोर मचा रहे हैं। जिस बाबूलाल मरांडी की सरकार ने 18 वर्षों तक शासन किया, वे बताएं कि कितने अस्पताल बनाए, कितने नए डॉक्टर नियुक्त किए और कितनी एंबुलेंस ग्रामीण झारखंड को उपलब्ध करवाई?

आलोक दूबे ने कहा कि झारखंड में अगर आज किसी बीमार को खाट पर ढोकर अस्पताल ले जाना पड़ रहा है, तो उसके लिए जिम्मेदार वही लोग हैं जो वर्षों तक सत्ता में रहकर भी सिर्फ. घोषणाएं करते रहे। हेमंत सोरेन की सरकार ने उस बबार्दी के ढांचे को सुधरने का बीड़ा उठाया है, जिसे बाबूलाल और उनकी सहयोगी सरकारों ने चौपट किया।

उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति और स्वास्थ्य मंत्री डॉ। इरफान अंसारी की सतत निगरानी में झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था को नई दिशा दी जा रही है। जिस राज्य में एक समय लोगों को बुनियादी इलाज के लिए बाहर जाना पड़ता था, अब वहां रिम्स-2 के निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। यह अस्पताल न केवल झारखंड का बल्कि पूरे एशिया का सबसे बड़ा और अत्याधुनिक चिकित्सा संस्थान होगा। यह हेमंत सरकार की दूरदर्शिता का परिणाम है जो स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण विषय पर प्राथमिकता दे रही है।इतना ही नहीं कल ही संथाल परगना के गोड्डा जिला में ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह के कर कमलों से 50 बेड के एक बड़े अस्पताल का निर्माण कराया गया जिससे वहां के लोगों में अपार खुशी देखी जा सकती है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से मिले मंत्री सुदिव्य कुमार

रांची : नई दिल्ली में झारखंड सरकार के मंत्री सुदिव्य कुमार ने केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी एवं लोकसभा सांसद विजय कुमार हांसदा के साथ केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा से शिष्टाचार भेंट की। बैठक के दौरान झारखंड राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। विशेष रूप से राज्य के छह ज़िलों धनबाद, देवघर, खूंटी, गिरिडीह, जामताड़ा और पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) में स्थित जिला अस्पतालों को पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मोड के अंतर्गत मेडिकल कॉलेजों में अपग्रेड करने के प्रस्ताव पर गंभीर विमर्श हुआ। मंत्री सुदिव्य कुमार ने इन परियोजनाओं के लिए शीघ्र स्वीकृति एवं वित्तीय सहायता प्रदान करने का आग्रह किया, जिससे झारखंड में तृतीयक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार हो सके और राज्य के नागरिकों को सुलभ एवं उन्नत चिकित्सा सुविधा प्राप्त हो सके। इस पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने प्रस्ताव पर सैद्धांतिक सहमति प्रदान की और सकारात्मक सहयोग का आश्वासन भी दिया। एक्स पर पोस्ट कर मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि ह्लमुझे विश्वास है कि केंद्र सरकार के निरंतर सहयोग से झारखंड स्वास्थ्य के क्षेत्र में नई ऊँचाइयों को छूएगा और राज्य के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

सभी जिलों में पौधरोपण व रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाए : एससी अग्रवाल

रांची : झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल एवं महामंत्री विनोद कुमार जैन ने सभी प्रांतीय एवं प्रमंडलीय पदाधिकारियों के प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के विभिन्न पदों पर दायित्व ग्रहण करने पर उन्हें बहुत-बहुत धन्यवाद दिया।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा सूचना संख्या 07-2025-GSU-BKN मुख्य परियोजना प्रबंधक गति शक्ति उत्तर पश्चिम रेलवे बीकानेर भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 14.08.2025 को 15:00 बजे तक निम्नानुसार खुली ई-निविदा आमंत्रित करते हैं:- **निविदा संख्या: 07-2025-GSU-BKN कार्य का नाम व स्थान:** लालगढ़ स्टेशन पर कोचिंग रखरखाव सुविधाओं का विकास और एआरएफ को अन्य स्थान पर स्थानांतरित करना। **अनुमानित लागत मूल्य:** Rs. 418213228.53 **बिड सिक्यूरिटी राशि (रुपये):** Rs. 2241100.00 **निविदा प्रस्तुत करने की तिथि व समय:** बोली शुरु होने की तारीख 31/07/2025 और निविदा बंद होने की तारीख और समय 14.08.2025 को 15:00 बजे तक। **नोट:-** अन्य शर्ते रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है।

892-AJ/25

हमें NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना

भारत संघ के राष्ट्रपति एवं उनकी ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण), उत्तर पश्चिम रेलवे, जवाहर सर्किल, जयपुर निम्नलिखित कार्य हेतु निर्धारित इलेक्ट्रॉनिक प्रपत्र पर ऑन लाईन खुली ई-निविदा सिस्टम (द्वि चरण) आमंत्रित करतेहैं। **1. निविदा संख्या:** उपरे-नि-तारंगाहिल -आबूरोड-नई लाईन-टी-23 **2. कार्य का नाम एवं स्थान:** राजस्थान और गुजरात राज्यों के उत्तर पश्चिम रेलवे अजमेर मंडल के तारंगा हिल-आबूरोड (वाया अम्बाजी) नई रेल लाइन परियोजना के निस्पादन हेतु दलपुरा-हडाद खंड एवंम अम्बा महूडा आबूरोड स्टेशनों के मध्य स्थित सुरंगो/पुलों में ब्रोडगेज (बीजी) बलास्ट लेस ट्रैक (बीएलटी) का निर्माण कार्य जिसमें बलास्ट रहित से बलास्ट सहित ट्रैक का ट्रांजिशन तंत्र एवंम ठेकेदार के स्वयं का फाश्चिंग तंत्र सहित प्रमाणित बलास्ट लेस ट्रैक (ब्रूयन बलास्ट लेस ट्रैक) का निर्माण कार्य शामिल हैं। (कुल लम्बाई-15.091 किमी) **3. निविदा का प्रकार:** खुली निविदा (द्वि चरण) **4.अनुमानित लागत:** रुपये 790981484.92 (उनासी करोड़ नौ लाख इक्यासी हजार चार सौ चौरासी रुपये एवं बरानवे पैसा मात्र) **5. बिडसिक्योरिटी / धरोहर राशि:** रुपये 4104900.00 (रू. इकतालीस लाख चार हजार नौ सौ रुपये मात्र) **6. कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 15 (पंद्रह) माह **7. पूर्व-बोली सम्मेलन दिनांक और समय:** 01/08/2025 को 12.00 बजे **8. पूर्व-बोली सम्मेलन स्थल:** कार्यालय उप मुख्य इन्जीनियर (निर्माण) / ।। पुरानी डी. टी. सी बिल्डिंग, रेल्वे अस्पताल के पास, आबूरोड-307026 **9. निविदा की अन्तिम दिनांक व समय:** दिनांक 25/08/2025 को सांय 15.00 बजे तथा निविदा खुलने की दिनांक 25/08/2025 तथा समय 15.30 बजे **10. वेबसाईट का विवरण:** **www.ireps.gov.in** **नोट:** कोइ भी व्यक्तिगत (मैनुअल) टैण्डर स्वीकार नही किया जाऐगा ।

896-AJ/25

हमें NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

10 दिनों में बिजली से संबंधित समस्याओं का होगा निराकरण:जीएम

अगर समस्याओं का समाधान न हुआ तो करेंगे आंदोलन:सुबोध श्रीवास्तव

संवाददाता

जमशेदपुर : जेबीवीएनएल के महाप्रबंधक अजीत कुमार ने कहा है कि जमशेदपुर पूर्वी और पश्चिमी की बिजली से संबंधित समस्याओं के निराकरण के लिए वह गुरुवार को सुपरिटेंडेंट इंजीनियर की अध्यक्षता में एक टीम गठित करेंगे जो समस्याओं के समाधान के लिए काम करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि 10 दिनों के भीतर समस्याओं का समाधान कर देंगे, सुचारू विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो जाएगी। वह जनता दल (यूनाइटेड) के प्रतिनिधिमंडल से मुखातिब थे। यह प्रतिनिधिमंडल

जिलाध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव के नेतृत्व में उनसे मिलने पहुंचा था।

अजीत कुमार ने प्रतिनिधिमंडल से कहा कि समस्याओं का निराकरण तो वह करवाएंगे ही, समय-समय पर आपके पदाधिकारियों को इस संबंध में सूचित भी करेंगे। विद्युत आपूर्ति बाधित होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि जहां-जहां यह दिक्कत आ रही है, वहां के ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाई जाएगी। ग्रिड से विद्युत आपूर्ति सामान्य करने का पूरा प्रयास किया जाएगा। ज्ञापन देने वालों में अजय कुमार, कुलविंदर सिंह पन्नू, हरेराम सिंह, नीरज सिंह, चंद्रशेखर राव, सुधीर सिंह, अमित शर्मा, भास्कर मुखी, दुर्गा राव, अमृता मिश्रा, ममता सिंह, प्रकाश कोया, जीतेंद्र सिंह, विकास साहनी, विकास रजक, तारक मुखर्जी, चुन्नू भूमिज, विनोद राय, संजीव सिंह, दिलीप प्रजापति, विजय सिंह, दिनेश्वर कुमार, विनोद सिंह, दिनेश सिंह, अशोक कुमार आदि शामिल थे।

श्रीश्याम मंदिर में हुआ सामूहिक महा रुद्राभिषेक

रांची : हरमू रोड़ के श्रीश्याम मंदिर में बुधवार को सावन माह की शिवरात्रि के अवसर पर ह्ल मुक्तिह्व संस्था के द्वारा सामूहिक महा रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। मुक्ति संस्था द्वारा श्रीश्याम मंदिर में विराजमान सभी देवी-देवताओं का विशेष श्रृंगार करवाया गया था। श्री गणेश पूजन के साथ महा रुद्राभिषेक का श्री गणेश हुआ। मुक्ति संस्था के अध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने बाबा श्याम के दरबार में हाजरी लगायी। श्री श्याम मंदिर के प्रथम आचार्य रत्नाकर शर्मा व उनके चार सहयोगियों ने अभिषेक अनुष्ठान संपन्न करवाया। सामूहिक महा

रुद्राभिषेक में सर्वश्री सपतनीक सौरभ बथवाल, विक्रम खेतावत, अरविन्द मंगल, केशर देव भरतीया, अजय गुप्ता आदि शामिल हुए।

श्रीश्याम मंदिर में स्थापित स्टाफीक के श्री श्यामेश्वर महादेव का भी रुद्राभिषेक व रुद्री पाठ किया गया। शिवजी का अदभुत शृंगार किया गया। इस अवसर पर श्रीश्याम मंदिर के प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, श्याम सुंदर शर्मा, अनिल नारनोली, राहुल अग्रवाल सहित मुक्ति संस्था के अध्यक्ष प्रवीण लोहिया, सचिव राहुल जयसवाल , हरिश नागपाल,अजय बथवाल, सहित बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित थे। सामूहिक महाआरती तथा प्रसाद वितरण के पश्चात कार्यक्रम का समापन हुआ।

मां श्री जीण भवानी का सावन सिंधारा उत्सव 27 जुलाई को

रांची : श्री जीण माता प्रचार समिति के सदस्यों की एक बैठक रांची में हुई। बैठक में आगामी 27 जुलाई को स्थानीय स्वर्ण भूमि बैंक्वेट हॉल में आयोजित मां श्री जीण भवानी के सावन सिंधारा उत्सव को भव्य रूप से मनाने का निर्णय लिया गया। यह जानकारी समिति के सचिव नारायण विजयवर्गीय ने बुधवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी। नारायण विजयवर्गीय ने बताया कि पुरुलिया की भजन गायिका शीतल कटारूका अपने भजनों से माता का गुणगान करेंगी। उत्सव के कूपन 24 एवं 25 जुलाई को संध्या 4 बजे से 7 बजे तक सोमानी ब्रदर्स रंगरेज गली से मिलेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष ओम प्रकाश अग्रवाल, उपाध्यक्ष विजय पालड़ीवाल, सचिव नारायण विजयवर्गीय, कोषाध्यक्ष बजरंग सोमानी, सह सचिव प्रदीप शर्मा एवं अन्य सदस्य सहयोग कर रहे है।

न्यायालय जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, राँची

नोटिस

ज्ञापांक- दिनांक-

प्रेषित,

(1) **श्री अमित कच्छप, श्री सुशील कच्छप,** पिता-चुपा कच्छप, पता-हिनु, एयरपोर्ट रोड़ सरना टोली, पोस्ट+ थाना- डोरण्डा, जिला-राँची।

(2) **श्री यशवन्त उराँव उर्फ जसवन्त उराँव,** पिता-स्व० बहादुर उराँव, पता-कुटेटोली, पोस्ट-तेतरी, थाना- जगरनाथपुर, जिला-राँची।

वर्तमान पता-हिनू शुक्ला कॉलोनी, पोस्ट+थाना-डोरण्डा, जिला-राँची।

बजरिये नोटिस आपको सूचित किया जाता है कि बिरसा मुण्डा एयरपोर्ट विस्तारीकण परियोजना भू-अर्जन वाद संख्या-07/2008-09 में मौजा-कुटेटोली में निम्न विवरणी अनुसार माननीय उच्च न्यायालय में दायर वाद Cont. C/ 558/2025 (Yashwant Oraon V/S The State Of Jharkhand तथा W.P.(C) No.-173/2024 में दिनांक-15 /14.10.2024 को पारित आदेश के आलोक में वाद की सुनवाई हेतु दिनाक-26.07.2025 को पूर्वाह 11.30 बजे तिथि निर्धारित की गई है।

भूमि का विवरण

क्र० सं०	भू-अर्जन वाद सं०	मौजा	खाता संख्या	प्लॉट संख्या	अर्जित रकबा (एकड़ में)
01	07/2008-09	कुटेटोली	120	361	0.82
				251	0.49
				254	0.13
				258	0.36
			121	337	1.01
			122	257	0.11
			139	253	1.36
			163	261	0.07
				345	0.33
				345/396	0.08
				345/947	0.07
			164	260	0.73
			165	295	0.21
				260/948	0.08

अतः आप सभी को आदेश दिया जाता है कि निर्धारित तिथि को ससमय अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से भूमि संबंधी कागजातों के साथ उपस्थित रहेंगे।

जिला भू-अर्जन पदाधिकारी,
राँची।

PR.NO.358001 Land Reforms(25-26):D

सुविचार

मेहनत करने से दरिद्रता नहीं रहती, धर्म करने से पाप नहीं रहता, मौन रहने से कलह नहीं होता.

लाडली बहनों का बोझ

राज्य के एक मंत्री दत्तात्रेय भरणे ने भी सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि ह्यलाडली बहनह्ण योजना सरकार पर ह्यबोझह्ण बन गई है। विधानसभा चुनाव से पहले, मौजूदा हुक्मरानों ने ह्यलाडली बहनह्ण योजना का खूब ढिंढोरा पीटा था। इससे उन्हें चुनावों में राजनीतिक लाभ भी हुआ। हालांकि, उसी समय चेतावनियां दी गई थीं कि यह योजना राज्य की वित्तीय स्थिति को बिगाड़ देगी और इसे लागू करते समय सरकार की नाक में दम आ जाएगा। वे हु-ब-हू सच साबित हुईं। जब अर्थशास्त्रियों और विपक्ष ने ये चेतावनियां दी थीं, तब सत्ताधारियों ने उन्हें राज्य के समूचे भगिनी वर्ग का दुश्मन ठहरा दिया था, लेकिन इस योजना के लिए धन का प्रावधान अब खुद सत्ताधारियों के लिए सिरदर्द बन गया है। एक ओर लाडली बहनों को १,५०० रुपए प्रति माह सुनिश्चित करने के लिए ४०-४५ हजार करोड़ रुपए का प्रावधान करना पड़ता है और ऐसा करने के लिए अन्य विभागों से धन में कटौती करनी पड़ती है। यह ह्यकवायदह्ण और ह्यसर्कसह्ण सरकार के सत्ता में आने के बाद से ही चल रहा है। सत्ता में आने के बाद होश में आए हुक्मरानों ने इस योजना की गहन जांच की। नए नए नियमों और मानदंडों का हौवा खड़ा किया गया। नतीजा यह हुआ कि चुनाव से पहले ह्यलाडलीह्ण रहीं कई बहनें सरकार बनने के बाद अयोग्य घोषित कर दी गईं और भी कई तरह के हथकंडे अपनाए गए। फिर भी इस योजना के लिए धन जुटाने की सरकार की सिरदर्दी कम होने का कोई संकेत नहीं दिख रहा है और उस पर पहले दबी आवाज में शिकायत करनेवाले मंत्री अब सार्वजनिक रूप से शिकायतें करने लगे हैं। वे अब सार्वजनिक रूप से सरकारी खजाने पर दबाव का आरोप लगा रहे हैं। यह शिकायत करनेवाले दत्तात्रेय भरणे और उनके सुर में सुर मिलानेवाले भुजबल, दोनों ही उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री अजीत पवार के ही गुट से हैं। हालांकि, अजीतदादा ने ह्यहम पूछेंगे और देखेंगेह्ण वाला गोल-मोल बयान दिया है, लेकिन सरकार की पोल खुल गई है। अजीतदादा ने खुद एक बार स्वीकार किया था कि ह्यलाडली बहनह्ण योजना में गलती हुई है, लेकिन चूंकि यह ह्यगलतीह्ण हर महीने करनी पड़ती है इसलिए राज्य और विभिन्न विभागों का वित्तीय गणित गड़बड़ाने लगा है। हालांकि, यह सच है कि ह्यलाडली बहनह्ण योजना राज्य की बहनों के लिए फायदेमंद रही है, लेकिन यह सरकार के लिए गले की हड्डी बन गई है। राजनेता मंडली चाहे जितना भी इनकार करें, सच यही है। यही सच नाराजगी के रूप में मंत्रियों के मुंह से सार्वजनिक रूप से निकलने लगा है और सरकार के मुंह पर वार कर रही है। लाडली बहनों को हर महीने १,५०० रुपए मिलने चाहिए, उसके लिए ४०-४५ हजार करोड़ रुपए अलग से रखे जाने चाहिए और इसलिए उसके लिए कुछ अन्य महकमों के फंड पर वैंष्ठची चलाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। कभी वे सामाजिक न्याय विभाग के फंड को डायवर्ट करते हैं, कभी वारकरी दिंडी के फंड पर वैंष्ठची चलाते हैं, किसान कर्ज माफी को लेकर हाथ खड़े कर देते हैं और फिर एक रुपए में फसल बीमा योजना ही बंद कर देते हैं, ये सब चालें सत्ताधारी दल कर रहा है। इससे मौजूदा सरकार के दिवालिया प्रशासन का वस्त्र हरण हो रहा है। लाडली बहनों को दी जानेवाली सब्सिडी का जुगाड़ सरकार के लिए माथापच्ची बन गया है और इससे दूसरे विभागों को फंड डायवर्ट करना मंत्रियों के लिए सिरदर्द बन गया है। अजीतदादा के समूह से संबंधित मंत्री दत्तात्रेय भरणे ने भी सार्वजनिक रूप से इस बारे में बात की है। अजीतदादा भरणे के दर्द के लिए कौन-सी ह्यगोलीह्ण देकर शांत करते हैं यह तो पता चलेगा ही, लेकिन बहनों की ह्यलाडलीह्ण रही यह योजना सरकार के मंत्रियों के लिए गले की हड्डी जरूर बनती जा रही है। उन लोगों के बारे में क्या कहें जो अपनी ही ऐसी स्थिति बना लेते हैं कि पकड़ो तो डस लेते हैं और छूट गए तो भाग जाते हैं, लेकिन इस बात का क्या हल है कि इससे राज्य का वित्तीय अनुशासन प्रभावित हो रहा है?

अब किसे इस्तीफा देना चाहिए

जम्मू और कश्मीर के राज्यपाल मनोज सिन्हा ने स्वीकारा कि पहलगाम हमला सरकार की सुरक्षा व्यवस्था में एक चूक थी। पहलगाम हमले को तीन महीने हो चुके हैं। आतंकवादियों द्वारा पर्यटकों पर किए गए हमले में २६ लोगों ने जान गंवाई। आतंकवादियों ने महिला पर्यटकों पर गोली नहीं चलाई थी। उन्होंने पुरुषों को मारा। उन्होंने धर्म पूछकर मार डाला। कुरान की आयतें सुनाने को कहा। जो नहीं सुना पाए उन्हें गोली मार दी गई, यह कहानी बाद में भाजपा भक्तों द्वारा फैलाई गई। पहलगाम हमले के निमित्त हिंदुओं और मुसलमानों के बीच तनाव बढ़ाने की कोशिश की गई, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। पहलगाम हमले के बाद स्थानीय लोगों ने वहां सभी पर्यटकों और घायलों की मदद करने में उदारता दिखाई। उन्होंने हर तरह की मदद की। खुद मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के आंसुओं का सैलाब फूट पड़ा, लेकिन इतना भयंकर यह सब कैसे हुआ? सरकार अब तक इस पर मुंह सिले बैठी थी। जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल सिन्हा ने अब हमले के पीछे की सच्चाई उजागर की है, जो यह है कि सरकार की ओर से पर्यटकों की सुरक्षा व्यवस्था नजरअंदाज हुई। सुरक्षा व्यवस्था में खामियों की वजह से ही आतंकवादी पर्यटनस्थल तक पहुंच पाए और हमला हुआ। राज्यपाल का यह सच चौंकानेवाला है और देश के गृह मंत्रालय की इज्जत चौराहे पर टंग गई। नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा छीन लिया इसलिए जम्मू-कश्मीर अब एक केंद्रशासित प्रदेश है जिसकी वजह से इस बेहद संवेदनशील राज्य की कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी केंद्र सरकार ही, यानी गृह मंत्रालय पर है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उनकी सर्वाधिकार राज्यपाल मनोज सिन्हा को दिया गया था। राज्यपाल के जरिए ही गृह मंत्री अमित शाह जम्मू-कश्मीर राज्य का शासन चलाते हैं इसलिए पहलगाम में हुए हमले और २६ निर्दोष हत्याओं की जिम्मेदारी गृह मंत्री अमित शाह पर ही है। राज्यपाल सिन्हा ने भी यही कहा। गृह मंत्री शाह इस नरसंहार के लिए जिम्मेदार हैं ही, लेकिन इससे भी गंभीर बात यह है कि गृह मंत्रालय अभी तक हत्या करनेवाले ह्यआरोपियोंह्ण को पकड़ नहीं पाया है। २६ लोगों की हत्या करनेवाले हत्यारे अभी भी ह्यफरारह्ण हैं। इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? गृह मंत्री अमित शाह और जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल मनोज सिन्हा को अब एक मिनट भी अपने पद पर बने रहने का नैतिक अधिकार नहीं है। वे २६ लोगों की हत्या के जिम्मेदार तो हैं ही, और वे हत्या के आरोपियों को भी नहीं पकड़ पाए हैं। इस महान बहादुरी के लिए क्या शाह और सिन्हा की पूजा की जानी चाहिए? या उन्हें वीरता पदक से सम्मानित किया जाना चाहिए? चूंकि राज्यपाल मनोज सिन्हा ने स्वयं स्पष्ट किया है कि पहलगाम हमला एक सुरक्षा चूक थी इसलिए शासकों को प्रायश्चित करना ही होगा और खुले तौर पर गृह मंत्री का इस्तीफा मांगना होगा। यह पूरा मामला गैर इरादतन हत्या का ही मामला है। ऑपरेशन सिंदूर के नाम पर राजनीति करनेवालों को इस पर ध्यान देना चाहिए। नरेंद्र मोदी और अमित शाह व्यापारिक मानसिकता वाले लापरवाह राजनेता हैं। यह लापरवाही मणिपुर से लेकर कश्मीर तक हर रोज दिखाई देती है। पहलगाम में भी सुरक्षा को लेकर वैसी ही लापरवाही देखने को मिली जैसी २०१९ में पुलवामा हमले में ४० भारतीय जवानों के शहीद होने पर दिखी थी। १४ फरवरी २०१९ को पुलवामा में हुए आत्मघाती हमले में जवान शहीद हुए थे।

विज्ञान में लोक को प्रतिष्ठित करने की मुहिम

आमतौर पर विज्ञान की बढ़ती साख का ही नतीजा है कि विज्ञान के प्रचार–प्रसार के लगातार प्रयास हो रहे हैं ताकि आम जनों में वैज्ञानिक मानसिकता (साइंटिफिक टेम्पर) का विकास हो सके और वे खुशहाल जीवन बिता सकें। भारत में होशंगाबाद और केरल में समाज को विज्ञान से जोड़ने की पहल शुरू हुई थी जिसका व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार न हो सका। यहाँ एक जुड़ा सवाल वैज्ञानिक साक्षरता का भी है क्योंकि विज्ञान के प्रति भावनात्मक रुझान ही काफी नहीं हो सकती उसकी मुलभूत जानकारी भी आवश्यक है ।

गिरीश्वर मिश्र

विज्ञान को आधुनिक युग में तेजी से धर्म का दर्जा दिया जा रहा है। लोगों में सबकुछ को वैज्ञानिक घोषित करने की ललक बढती जा रही है । ऐसा हो भी क्यों न ? विज्ञान विश्वसनीय, पूर्वाग्रहमुक्त और पक्षपातहीन अंतिम सत्य का पर्यायवाची जो हो गया है। हालाँकि सदैव ऐसा नहीं होता और स्वयं विज्ञान के अर्थ भी बदल रहे हैं। तब भी आँखिन देखी पर विश्वास करने वाली विज्ञान की विधि ज्ञान प्राप्त करने के लिए एक भरोसेमंद आधार के रूप में सुबुद्ध लोगों की अभी भी पहली पसंद बनी हुई है। टोना-टोटका, झाड़-फूंक, तंत्र-मंत्र और ओझाझ्रसोखा को ले कर लोग हिचकने लगे हैं। आमतौर पर विज्ञान की बढ़ती साख का ही नतीजा है कि विज्ञान के प्रचार-प्रसार के लगातार प्रयास हो रहे हैं ताकि आम जनों में वैज्ञानिक मानसिकता (साइंटिफिक टेम्पर) का विकास हो सके और वे खुशहाल जीवन बिता सकें। भारत में होशंगाबाद और केरल में समाज को विज्ञान से जोड़ने की पहल शुरू हुई थी जिसका व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार न हो सका। यहाँ एक जुड़ा सवाल वैज्ञानिक साक्षरता का भी है क्योंकि विज्ञान के प्रति भावनात्मक रुझान ही काफी नहीं हो सकती उसकी मुलभूत जानकारी भी आवश्यक है । चूँकि विज्ञान का क्षितिज निरंतर विस्तृत हो रहा है इसलिए वैज्ञानिक साक्षरता का स्तर भी बढ़ता रहता है और उसे नए ज्ञान के आलोक में बार-बार परिभाषित और पुर्नपरिभाषित किए जाने की जरूरत पड़ती है।गौरतलब है कि दुनिया और उसमें होने वाली घटनाओं को लेकर उत्सुकता सदा से वैज्ञानिकों के अध्ययन और विज्ञान के विकास के लिए एक बड़ा प्रेरक स्रोत रही है। परंतु विकसित हो रहे ज्ञान तक पहुँच सिर्फ बिरले और चुनिंदा लोगों की ही हो पाती है जो पहले से विशेष प्रकार का अध्ययन और औपचारिक प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके रहते हैं। यह बात एक हद तक तो समझ में आती है पर इस तरह विकसित होता ज्ञान-सृजन व्यापक लोक-जीवन से प्रायः अछूता ही बना रहता है। ज्ञान और समाज के बीच में एक बड़ी खाई या दूरी बनी रहती है जिससे ज्ञान पर कुछ लोगों या समूहों का एकाधिकार और वर्चस्व समाज में शोषण और असंतुलन पैदा करता है। मानवता का इतिहास इसका गवाह है कि ज्ञान में जिसे बढ़त रही वही विजयी रहा। आज भी विभिन्न क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी के उन्नत रूप को लेकर विकसित राष्ट्रों के द्वारा इसी युक्ति से दबदबा बनाया जा रहा है। सत्य यही है कि समाज का बहुलांश या कहें एक बहुत बड़ा तबका ज्ञान-विज्ञान से अनभिज्ञ और ज्ञान-प्रक्रिया से बहिष्कृत-सा ही बना रहता है। इस तरह के अपरिचय के कारण उनको उस ज्ञान से लाभ मिलना एक बड़ी चुनौती हो जाती है। शिक्षा के सामाजिक वितरण में असमानता का मुद्दा जन-कल्याण के व्यापक लक्ष्य को पाने में बड़ी बाधा बन जाता है और अनेक स्तरों पर बना हुआ है। लोकतंत्र की दृष्टि से इस तरह का भेदभाव समाज को ज्ञानसम्पन्न होने के मार्ग में एक बड़ा रोड़ा बन जाता है। ज्ञान के अभाव का परिणाम यह होता है कि न केवल सामाजिक-आर्थिक विषमताएं पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलती चली आती हैं बल्कि सामाजिक परिवर्तन का प्रतिरोध भी होता है और समाज शैक्षिकझ्रआर्थिक तौर पर पिछड़ जाता है। आज के तथाकथित ज्ञान युग में भी देश के अनेक समुदाय ही नहीं बल्कि विश्व के अनेक देश भी ज्ञान सृजन और ज्ञान के अनुप्रयोग की दृष्टि से पिछड़े हुए हैं। इस विसंगति के समाधान के लिए ज्ञान पर एकाधिकार से आगे बढ़ कर उसका व्यापक पैमाने पर प्रसार जरूरी है। इधर कुछ समय से अंतरराष्ट्रीय जगत में ज्ञान के प्रजातंत्री- करण को लेकर गंभीरता के कुछ संकेत दिखाई पड़ रहे हैं। इस सिलसिले में शुरू हुई ह्लजन-विज्ञानह्व (सिटीजन साइंस) नाम की पहल उल्लेखनीय है। यह पहल गैर व्यवसायी वैज्ञानिकों या नागरिक जनों द्वारा वैज्ञानिक शोध में सक्रिय भागीदारी की परिघटना को व्यक्त करती है। इसे सक्रिय प्रतिभागी अनुसंधान (ऐक्शन रिसर्च) का ही एक रूप कहा जा सकता है। इसमें विभिन्न मात्रा में शोध कार्य करने के दौरान उसके विभिन्न चरणों में जन-भागीदारी को अवसर दिया जाता है। यह भागीदारी अप्रत्यक्ष और निष्क्रिय सहयोग से आरम्भ हो कर शोध में प्रत्यक्ष सहयोग-सहकार की सीमा तक जा सकती है। उल्लेखनीय है कि यूरोपियन कमीशन, अमेरिकी सरकार और संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी वैश्विक संस्थाओं और व्यवस्थाओं द्वारा जन-विज्ञान की पहल को अब विशेष रूप से प्रोत्साहन दिया जा रहा है। आज की दुनिया में औद्योगिक, सामाजिक और सांस्कृतिक परिवर्तन जिस तेजी से हो रहे हैं उसे देखते हुए समाज विज्ञानों के लिए जन-विज्ञान की पहल का महत्व और बढ जाता है। आज के परिवेश में लोगों के व्यवहार, संज्ञान, निर्णय-प्रक्रिया, प्रेरणाएँ, भावनाएं, मनोवृत्तियाँ, सहयोग तथा संघर्ष आदि के नए-नए आयाम उभर रहे हैं जिनको समझने के लिए परम्परागत समाज विज्ञान अपर्याप्त है। उसके लिए एक व्यापक सामाजिक आधार वाली दृष्टि की जरूरत है। सामाजिक विज्ञानों में आम जन शोध में प्रतिभागी के रूप में भाग लेते हैं और शोधकर्ता उनसे विभिन्न प्रकार के आँकड़े प्राप्त करता है जिसके अंतर्गत प्रतिभागी शोधकर्ता के कहे अनुसार बोल कर, लिख कर या कोई कार्य करते हुए अथवा दैहिक मापक के जरिए आवश्यक आँकड़े उपलब्ध कराता है। इस चरण के बाद शोधकर्ता और प्रतिभागियों के बीच सम्पर्क न अपेक्षित होता है न वांछित। वह नहीं के बराबर ही रहता है क्योंकि वैज्ञानिकों द्वारा किए जाने प्रयोग और अन्य दूसरे

कोयले के बजाय क्लीन और ग्रीन एनर्जी की जरूरत

थर्मल इंजीनियरिंग उन अवस्थाओं के अध्ययन और उपयोग को समझने में सहायक होती है, जहां ऊष्मा, ऊर्जा और उसकी व्यवस्था का विशेष महत्व होता है। थर्मल इंजीनियरिंग मैकेनिकल इंजीनियरिंग का ही एक विशेष उप-विषय है, जो ऊष्मा ऊर्जा की गति और स्थानांतरण से संबंधित है। ऊर्जा को दो माध्यमों के बीच स्थानांतरित किया जा सकता है अथवा ऊर्जा के अन्य रूपों में परिवर्तित किया जा सकता है। एक थर्मल इंजीनियर का कार्य यांत्रिक प्रणालियों का रखरखाव, निर्माण या मरम्मत करना है।

योगेश कुमार गोयल

थर्मल इंजीनियरिंग के महत्व और योगदान को मान्यता देने के लिए प्रतिवर्ष 24 जुलाई को ह्यराष्ट्रीय थर्मल इंजीनियर दिवसह्ण मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य थर्मल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में जागरूकता बढ़ाना और इसके महत्व को सार्वजनिक स्तर पर उजागर करना है। दरअसल, थर्मल इंजीनियरिंग ऊर्जा उत्पादन, ऊर्जा प्रबंधन इत्यादि विभिन्न क्षेत्रों में उपयोगी होती है। थर्मल इंजीनियरिंग उन अवस्थाओं के अध्ययन और उपयोग को समझने में सहायक होती है, जहां ऊष्मा, ऊर्जा और उसकी व्यवस्था का विशेष महत्व होता है। थर्मल इंजीनियरिंग मैकेनिकल इंजीनियरिंग का ही एक विशेष उप-विषय है, जो ऊष्मा ऊर्जा की गति और स्थानांतरण से संबंधित है। ऊर्जा को दो माध्यमों के बीच स्थानांतरित किया जा सकता है अथवा ऊर्जा के अन्य रूपों में परिवर्तित किया जा सकता है। एक थर्मल इंजीनियर का कार्य यांत्रिक प्रणालियों का रखरखाव, निर्माण या मरम्मत करना है, जिसमें ऊर्जा के अन्य रूपों में ऊष्मा हस्तांतरण प्रक्रिया शामिल होती है। थर्मल इंजीनियर विश्लेषण करता है कि यांत्रिक ऊष्मा स्रोत विभिन्न भौतिक और औद्योगिक प्रणालियों के साथ कैसे इंटरैक्ट करते हैं। घरों तथा गाड़ियों में इस्तेमाल होने वाले एयरकंडीशनर तथा रेफ्रिजरेटरों में थर्मल इंजीनियरिंग का इस्तेमाल होता है। थर्मल इंजीनियरिंग के जरिये इंजीनियर ऊष्मा को अलग-अलग माध्यमों में उपयोग करने के अलावा ऊष्मीय ऊर्जा को दूसरी ऊर्जा में भी परिवर्तित कर सकते हैं। थर्मल इंजीनियरिंग वास्तव में बंद या खुले वातावरण में वस्तुओं को गर्म या ठंडा रखने की प्रक्रिया है और थर्मल इंजीनियर ऊष्मीय ऊर्जा को केमिकल, मैकेनिकल या विद्युतीय ऊर्जा में परिवर्तित करने के लिए विभिन्न प्रकार की मशीनें तैयार करते हैं, जिनके जरिये वे ऊष्मा को नियंत्रित करते हैं। हमारे घरों या दफ्तरों में इस्तेमाल होने वाली बिजली इसी ऊष्मीय ऊर्जा से बनती है और यह बिजली बनाने का काम करते हैं थर्मल पावर स्टेशन।

ऊष्मीय शक्ति संयंत्र या ताप विद्युत केन्द्र के नाम से भी जाने जाने वाले थर्मल पावर स्टेशन ऐसे विद्युत उत्पादन संयंत्र होते हैं, जिनमें प्रमुख टरबाइनें भाप से चलाई जाती हैं और यह भाप कोयला, गैस इत्यादि को जलाकर पानी को गर्म करके प्राप्त की जाती है। पानी गर्म करने के लिए ईंधन का प्रयोग किया जाता है, जिससे उच्च दाब पर भाप बनती है और बिजली पैदा करने के लिए इसी भाप से टरबाइनें चलाई जाती हैं। थर्मल पावर स्टेशनों में ऊष्मीय ऊर्जा को बिजली में परिवर्तित किया जाता है और इसके लिए भाप से चलने वाली टरबाइनों का इस्तेमाल किया जाता है। भाप बनाने के लिए पानी को उच्च तापमान पर गर्म किया जाता है, जिसके लिए कोयला, सोलर हीट, न्यूक्लियर हीट, कचरा तथा बायो ईंधन उपयोग किया जाता है। दुनिया के कई देशों में अभी भी बिजली पैदा करने के लिए भाप से चलने वाली टरबाइनों का उपयोग किया जाता है किन्तु पर्यावरणीय खतरों को देखते हुए अब धीरे-धीरे बिजली पैदा करने के लिए सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा के अन्य स्रोतों को ही महत्व दिया जाने लगा है। भारत में इस दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए जा रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में हजारों मेगावाट क्षमता की कुछ अत्याधुनिक मेगा सौर ऊर्जा परियोजनाएं शुरू भी की गई हैं। हजारों मेगावाट के कुछ सोलर प्लांट पहले से ही ऊर्जा उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान दे भी रहे हैं। दरअसल थर्मल पावर स्टेशनों में भाप पैदा करने के लिए कोयला जलाने से पर्यावरण को अपूरणीय क्षति पहुंचती है क्योंकि इस प्रक्रिया में निकलने वाली हानिकारक गैसें हवा में मिलकर पर्यावरण को बुरी तरह प्रदूषित करती हैं, साथ ही कोयला या अपशिष्ट जलाने के बाद बचने वाले अवशेषों के निबटारे की भी बड़ी चुनौती मौजूद रहती है। हालांकि भारत में थर्मल पावर स्टेशनों में बिजली पैदा करने के लिए कोयले के अलावा ऊर्जा के अन्य स्रोतों का भी इस्तेमाल किया जाता है किन्तु अधिकांश बिजली कोयले के इस्तेमाल से ही पैदा होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार कोयले को जलाया जाना और इससे होने वाली गर्मी, पारे के प्रदूषण का मुख्य कारण है। विश्वभर में करीब चालीस फीसदी बिजली कोयले से प्राप्त होती है जबकि भारत में करीब साठ फीसदी बिजली कोयले से, सोलह फीसदी अक्षय ऊर्जा के विभिन्न स्रोतों जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा तथा बायो गैस से, चौदह फीसदी पानी से, आठ फीसदी गैस से, 1.8 फीसदी न्यूक्लियर ऊर्जा से तथा 0.3 फीसदी डीजल से पैदा होती है। वैसे बिजली पैदा करने के लिए भले ही ऊर्जा के किसी भी स्रोत का इस्तेमाल किया जाए, प्रत्येक थर्मल पावर प्लांट में इसके लिए बॉयलर का इस्तेमाल होता है, जिसमें ईंधन को जलाकर ऊष्मीय ऊर्जा पैदा की जाती है, जिससे पानी को गर्म कर भाप बनाई जाती है, जो टरबाइनों को चलाने में इस्तेमाल होती है। वायु प्रदूषण आज दुनियाभर में एक बड़े स्वास्थ्य संकट के रूप में उभर रहा है और इस समस्या के लिए थर्मल पावर प्लांटों से निकलने वाला उत्सर्जन भी एक बड़ा कारण है। इस समस्या से निपटने के लिए एक दशक से भी अधिक समय से उत्सर्जन मानकों को पूरा करने और नए कोयला आधारित बिजली संयंत्रों को रोककर अक्षय ऊर्जा की तरफ कदम बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट भी इन उत्सर्जन मानकों को पूरा करने के लिए समय सीमा निर्धारित करता रहा है किन्तु थर्मल पावर प्लांट के लिए उत्सर्जन मानकों को लागू करने का मामला वर्षों से अधर में लटका है। पर्यावरण पर कार्यरत कुछ संस्थाओं द्वारा निरंतर मांग की जा रही है कि पर्यावरण मंत्रालय उत्सर्जन मानकों का पालन कराते हुए थर्मल पावर प्लांटों को प्रदूषण के लिए उत्तरदायी बनाए और अक्षय ऊर्जा के लक्ष्य को हासिल करने के लिए नए थर्मल पावर प्लांटों का निर्माण रोका जाए। माना जा रहा है कि उत्सर्जन मानकों का पालन करने में देरी के चलते सालभर में 70 हजार से ज्यादा मौतें समय पूर्व हो रही हैं। पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्यरत संस्था ग्रीनपीस के अनुसार यदि उत्सर्जन मानकों को समय से लागू किया जाता तो सल्फर डाईऑक्साइड में 48 फीसदी, नाइट्रोडन डाई ऑक्साइड में 48 फीसदी और पीएम उत्सर्जन में 40 फीसदी तक की कमी की जा सकती थी, जिससे समय पूर्व हो रही इन मौतों से बचा जा सकता था। थर्मल पावर प्लांटों में बिजली बनाए जाने के लिए कोयला जलाने के दौरान उससे बनी राख का 10 फीसदी से भी अधिक हिस्सा चिमनियों के जरिये धुएं के साथ ही वातावरण में घुल जाता है, जो गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं का कारण बनता है। बहरहाल, आज जिस प्रकार दुनियाभर में पर्यावरणीय खतरों के मद्देनजर थर्मल पावर प्लांटों में कोयले के इस्तेमाल पर रोक लगाते हुए सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा के महत्वपूर्ण स्रोतों का उपयोग किया जा रहा है, ऐसे में भारत को भी कोयला आधारित थर्मल पावर प्लांट के बजाय क्लीन और ग्रीन एनर्जी को प्रोत्साहन देना चाहिए। समय के साथ अब जरूरत इसी बात की है कि हम अक्षय ऊर्जा की ओर तेजी से कदम बढ़ाएं और बिजली बनाने के लिए चरणबद्ध तरीके से ऊर्जा के इन्हीं सुरक्षित स्रोतों के इस्तेमाल को बढ़ावा दें।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सावन शिवरात्रि पर महादेव की पूजा से मिलती है समृद्धि

आज सावन की महाशिवरात्रि के बाद सावन की शिवरात्रि का सबसे ज्यादा महत्व माना जाता है जो 23 जुलाई को पड़ रही है। इस दिन श्रद्धालु उपवास रखते हैं और भगवान शिव का अभिषेक करते हैं।

सावन शिवरात्रि के बारे में

महाशिवरात्रि के बाद सावन शिवरात्रि भोलेनाथ की पूजा के लिए सबसे बड़ा दिन माना जाता है। भक्त सावन माह में हर दिन शिव पूजा करते हैं, लेकिन सावन शिवरात्रि विशेष फलदायी होती है। इस दिन शिव भक्त महादेव को जल अर्पित करते हैं और सुख, समृद्धि, शांति आदि के लिए रुद्राभिषेक कराते हैं। इस साल सावन की शिवरात्रि 23 जुलाई 2025 दिन बुधवार को है। सावन शिवरात्रि के दिन शिवलिंग पर जल चढ़ाने और रुद्राभिषेक कराने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और उनकी कृपा से मनोकामनाएं पूरी होती हैं। सावन शिवरात्रि का पावन पर्व हर साल सावन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है।

सावन शिवरात्रि पर जल चढ़ाने का मुहूर्त

पंडितों के अनुसार इस साल 23 जुलाई को सावन शिवरात्रि के दिन भगवान शिव को जल चढ़ाने का मुहूर्त ब्रह्म मुहूर्त से ही शुरू हो जाएगा। इस दिन ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4:15 से

4:56 तक रहेगा। इस समय से शिव मंदिरों पर शिवलिंग के जलाभिषेक के लिए भक्तों की भीड़ लग जाती है। रूद्राभिषेक उस दिन किया जाता है, जिस दिन शिववास होता है। शास्त्रों के अनुसार, पूरे सावन माह में शिववास होता है, इसलिए आप पूरे सावन रूद्राभिषेक करा सकते हैं। सावन शिव जी का प्रिय माह है, तो सावन शिवरात्रि महादेव की पूजा का उत्तम दिन है। सावन शिवरात्रि के दिन आपको रूद्राभिषेक कराना है तो सूर्योदय के बाद से रूद्राभिषेक करा सकते हैं। सावन शिवरात्रि को रूद्राभिषेक कराना शिव कृपा की प्राप्ति और मनोकामनाओं की पूर्ति का सबसे उत्तम माध्यम है। इस दिन भक्तजन व्रत रखते हैं और भगवान शिव की विधि विधान पूजा करते हैं। इस दिन शिवलिंग पर जल चढ़ाने का भी विशेष महत्व माना जाता है। इसके साथ ही ये कावड़ यात्रा का अंतिम दिन भी होता है। इस दिन भक्त घर पर रुद्राभिषेक कराते हैं वहीं कई भक्त खुद से ही शिव की पूजा करते हैं। 23 जुलाई 2025 की सुबह 04:39 से लेकर 24 जुलाई की सुबह 6 बजकर 13 मिनट तक।

सावन शिवरात्रि पर ऐसे करें पूजा

सावन शिवरात्रि के दिन सुबह जल्दी उठें और स्नान करें। इसके बाद पूजा कक्ष को साफ कर लें। फिर भगवान शिव की प्रतिमा स्थापित करें और पार्थिव शिवलिंग बनाएं। सुबह स्नान कर व्रत का संकल्प लें। गंगाजल, दूध, दही, शहद, घी और पंचामृत और जल से शिवलिंग का अभिषेक करें। बेलपत्र, भांग, धतूरा, सफेद फूल, चंदन, फल और धूप-दीप अर्पित करें। आप चाहें तो बाजार से बना बनाया पार्थिव शिवलिंग भी खरीद सकते हैं। शिवलिंग का पंचामृत और गंगाजल से अभिषेक करें। इसके बाद फूल, बेल पत्र, भांग, धतूरा, इत्र इत्यादि चीजें चढ़ाएं। पुरुष शिवलिंग पर जनेऊ चढ़ाएं तो वहीं महिलाएं माता पार्वती को श्रृंगार सामग्री अर्पित करें। सफेद चंदन से शिवलिंग पर त्रिपुंड की आकृति बनाएं। दीया जलाएं और भगवान शिव की विधि विधान पूजा करके उन्हें खीर का भोग लगाएं। इसके बाद रुद्राक्ष की माला से ₹महामृत्युंजय मंत्र₹ का 108 बार जाप करें। इसके बाद भगवान की आरती करके प्रसाद सभी में बांट दें।

सेहत

लिवर डैमेज होने पर शरीर में नजर आते हैं ये लक्षण

हमारे शरीर में जब भी किसी तरह की गड़बड़ी की शुरूआत होती है, तो कोई भी अंग ठीक से काम नहीं करता है। या फिर किसी भी न्यूट्रिशन और विटामिन की कमी होने लगती है। तो शरीर में इसके संकेत साफ नजर आते हैं। हालांकि अगर इन संकेतों को शुरूआत में ही समझ लिया जाए, तो आने वाले समय में बड़ी मुश्किल से बचा जा सकता है। पेट में गैस बनना, पाचन का कमजोर होना या ब्लोटिंग महसूस होना, नींद आने में मुश्किल, हमेशा कमजोरी, भूख न लगना, हाथ-पैरों में दर्द रहना या थकान महसूस होना आदि ऐसे लक्षण हैं, जिन पर आपको समय रहते ध्यान देना चाहिए। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी और अनहेल्दी खानपान की वजह से कई लोग पेट और लिवर से जुड़ी समस्याओं से परेशान रहते हैं। अगर आपको लंबे समय से भूख नहीं लग रही है या फिर कुछ भी खाने का मन नहीं करता है। तो इसको हल्के में नहीं लेना चाहिए। यह लिवर की किसी गंभीर बीमारी का संकेत हो सकता है। लिवर हमारे शरीर का पावर हाउस है और यह डाइजेशन को सही तरह से चलाने, शरीर में एनर्जी बनाए रखने और शरीर को डिटॉक्स करने का काम करता है। जब हमारा लिवर संक्रमित या कमजोर हो जाता है। तो मतली आने, पेट में सूजन, भूख कम लगने या पेट के दाहिने ऊपरी हिस्से में दर्द जैसे लक्षण दिखाई देने लगते हैं। फैटी लिवर, सिरोसिस, हेपेटाइटिस या लिवर इंफेक्शन जैसी बीमारियां आदि भूख न लगने की मुख्य वजह बन सकती हैं। अगर लंबे समय तक ऐसा रहता है, तो आपको फौरन डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है। शुरूआती जांच में अल्ट्रासाउंड और लिवर फंक्शन टेस्ट करवाएं। हेल्दी लिवर के लिए रेगुलर एक्सरसाइज और बैलेंस आहार लेना चाहिए। साथ ही एल्कोहल या जंक फूड से दूरी बनाए रखना चाहिए। समय पर इलाज और लाइफस्टाइल में बदलाव से लिवर की बीमारियों से बचाव संभव है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

सावन की शिवरात्रि का है विशेष महत्व, बाबाधाम में जलाभिषेक के लिए कांवरियों की लंबी कतार

संवाददाता

देवघर: बुधवार को भी देवघर के बाबा मंदिर में कांवरियों की भारी भीड़ देखने को मिली. अहले सुबह से ही कांवरिया भगवान भोलेनाथ का नारा लगाते हुए मंदिर में लगे अरघा प्रणाली से जलाभिषेक करते दिखे. मंगलवार को रात्रि के 9:00 बजे से ही क्यू कॉम्प्लेक्स में कांवरिया जमा हो गए. सुबह साढ़े चार बजे ही भगवान भोलेनाथ का पट खोल दिया गया.

कांवरियों की भीड़

मंगलवार की देर शाम तक करीब दो लाख तीस हजार कांवरियों ने भगवान भोलेनाथ के ज्योतिर्लिंग पर जलाभिषेक किया. वहीं बुधवार की सुबह कांवरियों की भीड़ को देखने के बाद यह अनुमान लगाया जा रहा है कि शाम तक कांवरियों की संख्या करीब ढाई लाख पार करेगी.

बुधवार को बाबा धाम पहुंचे कई कांवरियों ने व्यवस्था को लेकर नाराजगी भी जताई. सुपौल जिले से आए कांवरिया ने कहा कि बिहार की तुलना में झारखंड में व्यवस्था ठीक नहीं है. बिहार में जगह-जगह पर कांवरियों की सुविधा का विशेष ख्याल रखा गया है. लेकिन देवघर पहुंचने के बाद झारखंड सरकार श्रद्धालुओं को लेकर कुछ खास सजग नहीं है.

हर मनोकामना होगी पूरी

वहीं मंदिर के पुजारी ने कहा कि आज का दिन माता रानी का दिन है और बैद्यनाथ धाम ही एक ऐसा धाम है, जहां पर सती के हृदय पर भगवान भोलेनाथ का ज्योतिर्लिंग स्थापित है. आज का दिन बेहद खास और शुभ है. आज की तिथि में ही भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था. इसलिए आज के दिन बैद्यनाथ धाम में भगवान शिव और माता पार्वती एक साथ विराजमान रहते हैं. इसलिए जो भी श्रद्धालु जलाभिषेक करेंगे उनकी हर मनोकामना पूर्ण होगी.

वहीं मंदिर के वरिष्ठ पंडा जयदेव बाबा और बाबा विजय चंद्र कुंजीलवार ने बताया कि सनातन धर्म के अनुसार एक साल में बारह शिवरात्रि होते हैं, जिसमें सावन की शिवरात्रि बेहद खास और शुभ है.

जगह-जगह पुलिस तैनात है

वहीं रूट लाइन में कतारबद्ध हुए श्रद्धालुओं की बात करें तो सुबह पांच बजे से ही काफी लंबी लाइन लगी थी. लेकिन सुबह के दस बजे तक कांवरियों की लाइन कम हो गई. कांवरियों की सुरक्षा की बात करें तो जगह-जगह पर पुलिस की तैनाती है जो भी कांवरिया शिवगंगा से जल भरकर निकल रहे हैं वो

सभी पूरे रूट लाइन के माध्यम से बाबा धाम मंदिर पहुंच रहे हैं. बता दें कि सावन का महीना शुरू होने के बाद अब तक सरकारी आंकड़ों के अनुसार करीब पच्चीस से तीस लाख कांवरिया देवघर के बाबा धाम मंदिर में पहुंचकर जलाभिषेक कर चुके हैं. बुधवार को सुबह से ही पूरा रूट लाइन बोल बम के नारे से गूंजता रहा. सुबह 8:00 के बाद धूप होते ही कांवरियों को थोड़ी परेशानी जरूर हुई लेकिन गर्मी को देखते हुए ड्यूटी पर तैनात पुलिस प्रशासन की तरफ से कांवरियों के बीच पानी का भी वितरण किया गया.

जयनगर प्रखंड के सुदूरवर्ती पंचायत रूपायडीह बाइक से पहुंचे उपायुक्त ऋतुराज

मनरेगा योजना का लिया जायजा योजना कार्यों में पाई गई अनियमितता

पंचायत सचिव व रोजगार सेवक को शो- कॉज, वेतन रोका गया; पंचायत सहायक पर भी कार्रवाई के निर्देश

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा : उपायुक्त ऋतुराज ने आज जयनगर प्रखंड के सुदूरवर्ती पंचायत रूपायडीह का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पंचायत भवन, योजना पंजी, स्टॉक रजिस्टर, कैश बुक, ज्ञान केंद्र तथा जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र से संबंधित अभिलेखों की गहन जांच की गई। उपायुक्त ने ग्रामीण विकास योजनाओं के क्रियान्वयन की वस्तुस्थिति जानने हेतु संबंधित अभिलेखों और मनरेगा की योजना

की स्थलीय सत्यापन किया गया। योजनाओं के भौतिक सत्यापन के लिए स्वयं बाइक से योजना स्थल का दौरा किया। मौके पर पाया गया कि समतलीकरण योजना कागजों पर ही सीमित है और धरातल पर कार्य नहीं किया गया है। जांच के दौरान योजना पंजी व अभिलेखों में अनियमितता पाए जाने पर उपायुक्त ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने पंचायत सचिव एवं रोजगार सेवक से स्पष्टीकरण तलब करते हुए दोनों का वेतन स्थगित करने का निर्देश दिया। साथ ही पंचायत सहायक पर भी लापरवाही को लेकर कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को 10 दिनों के भीतर सभी योजनाओं में सुधार लाने और प्रगति की रिपोर्ट समर्पित करने का सख्त निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित योजनाओं की पारदर्शिता सुनिश्चित करना तथा जनता को योजनाओं का वास्तविक लाभ दिलाना है। विकास योजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जर्जर सड़कों से ग्रामीण परेशान जिप सदस्य प्रतिनिधि ने अभियंता से की शिकायत

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : प्रखंड क्षेत्र के भाग संख्या 15 के जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि ने मंगलवार को विकास भवन में कार्यपालक अभियंता ग्रामीण विकास विभाग कार्य प्रमंडल देवीलाल हांसदा से मुलाकात कर अपने क्षेत्र की कई समस्याओं से अवगत कराया। मुख्य रूप से सड़कों की बदहाल स्थिति पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिससे ग्रामीण और छात्र-छात्राएं खासे परेशान हैं। जिप सदस्य प्रतिनिधि बरनवास सोरेन से क्षेत्र के कई लोगों ने शिकायत की थी कि मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बन रही कुछ सड़कें वर्तमान में अत्यंत खराब स्थिति में हैं। इन सड़कों में पीएमजीएसवाई पथ चौकीढाब से मेहंदीपुर, लखनपुर होते हुए रामपुर तक, पीएमजीएसवाई पथ मदिया से रामपुर, मनसाचंडी होते हुए विरामपुर तक, पीएमजीएसवाई पथ मदिया से जयंतीग्राम आरसीडी पथ तक रामपुर से कठईटोला तक मेहंदीपुर से शामपुर

होते हुए महादेवपुर तक और आरसीडी पथ आतापुर, खोखरोटोला से कोचरा तक शामिल हैं। शिकायत में बताया गया कि इन सड़कों में बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। जिनमें बारिश का पानी जमा हो जाने से स्थिति और भी खराब हो गई है। इसके कारण स्कूली बच्चों को स्कूल आने-जाने में और मरीजों को अस्पताल ले जाने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। कार्यपालक अभियंता देवीलाल हांसदा ने मामले को गंभीरता से संज्ञान में लिया और उन्होंने संबंधित संवेदक को फोन पर जल्द से जल्द उक्त सड़कों पर डस्ट ईंट बिछाने का आदेश दिया। ताकि गड्ढों को भरा जा सके और लोगों को आवागमन में राहत मिल सके।

जानवर से टकराकर तेजस एक्सप्रेस 15 मिनट विलम्ब

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : मंगलवार को समय चर बजकर 25 मिनट को सूचना मिली की ओएचई मस्ट नंबर 181/31झ33 के बीच अप मेन लाइन जा रही ट्रेन नंबर 20501अप तेजस एक्सप्रेस से एक जानवर टकरा गया है,जिस कारण से तेजस ट्रेन मौके पर 13 मिनट रुकी थी।उक्त सूचना प्राप्त कर आरपीएफ इंस्पेक्टर बरहरवा संजीव कुमार अपने सहायक उप निरीक्षक अजय कुमार हांसदा,कांस्टेबल बबलू मुर्मू,हेड कांस्टेबल पिनाकी सरकार और हेड कांस्टेबल प्रलय मंडल को साथ लेकर मौके पर पहुंचा तो देखा कि एक जानवर का कुछ भाग बुरी तरह से क्षत विक्षत स्थिति में घटनास्थल पर पड़ा था

और बाकी भाग लेकर मौके से भाग गए थे।घटनास्थल का निरीक्षण कर आस पास के गांवों में पता किया किंतु कोई भी व्यक्ति बताने को तैयार नहीं हुआ। उसके बाद आरपीएफ इंस्पेक्टर बरहरवा द्वारा मुखबिरों को एक्टिव किया,जिससे सूचना मिली कि जानवर मालिक का नाम माइकल टुडू पिता मुंशी टुडू जो सरायबिंधी ग्राम का है।मुखबिर के द्वारा बताए गए पता पर पहुंचे तो घर में कोई नहीं मिला,जिसे बाद में बुलाया गया और पूछताछ करने अपना नाम माइकल टुडू,उम्र 40 साल पिता मुंशी टुडू पता सरायबिंदा,थाना रांगा जिला-साहिबगंज बताया और जो जानवर ट्रेन से टकराया था वह अपना होना बताया और अपना दोष स्वीकार किया।ततपश्चात अग्रेषित कार्यवाही करते हुए नए नियम के अनुसार उसे नोटिस दिया गया और आरपीएफ पोस्ट बरहरवा में सरेंडर करने को कहा गए,बुधवार दिनांक 23.07.25 को माइकल टुडू ने आरपीएफ पोस्ट बरहरवा इंस्पेक्टर संजीव कुमार के समक्ष सरेंडर किय, जिसे नियमानुसार गिरफ्तार किया गया और बेल बॉन्ड पर छोड़ा गया है।

श्रीबास मंडल टोला विद्यालय में शिक्षकों की कमी 1139 छात्रों का भविष्य दांव पर

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : उत्क्रमित मध्य विद्यालय श्रीबास मंडल टोला में शिक्षकों की भारी कमी से पठन-पाठन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। इस गंभीर समस्या को लेकर विद्यालय के सचिव मुख्तार हुसैन ने बुधवार को प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को एक लिखित आवेदन सौंपा है। जिसमें तत्काल अतिरिक्त शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति की मांग की गई है।आवेदन में मुख्तार हुसैन ने बताया है कि विद्यालय में कुल 1139 छात्र नामांकित हैं।जबकि कक्षा 1 से 5 तक के लिए मात्र दो शिक्षक उपलब्ध हैं। गणित विज्ञान और अंग्रेजी जैसे महत्वपूर्ण विषयों के शिक्षक नहीं होने से बच्चों की पढ़ाई पर गहरा नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। शिक्षकों की कमी के कारण बच्चों की संख्या अधिक होने पर भी

उनके शिक्षण का स्तर गिर रहा है, जिससे उनकी शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है।सचिव ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो बच्चों का स्कूल के प्रति रुझान कम होता जाएगा। उन्होंने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए विद्यालय में तत्काल दो अतिरिक्त शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति की मांग की है, ताकि बच्चों को उचित शिक्षा मिल सके और उनके भविष्य को सुरक्षित किया जा सके।

गोड्डा सांसद ने साहिबगंज से भागलपुर के बीच दो नई पैसेंजर ट्रेन चलाने का भरोसा दिया

साहिबगंज :भाजपा नेता अमित सिंह दिल्ली मे गोड्डा सांसद डॉ निशिकांत दुबे से मिलकर मालदा-गोमतीनगर भाया साहिबगंज अमृत भारत ट्रेन देने के लिए पूरे साहिबगंज की आम जनता की तरफ से हार्दिक आभार जताया।सांसद डॉ निशिकांत दुबे ने कहा कि संताल परगना को विकसित संताल परगना बनाना ही लक्ष्य है।अमित सिंह ने साहिबगंज की जनता की तरफ से साहिबगंज से भागलपुर दो नई पैसेंजर ट्रेन देने का आग्रह किया,जो कि एक साहिबगंज से 10 बजे के आसपास खुले और दूसरा 11:30 के आसपास खुले।वही सांसद ने कहा कि दोनों पैसेंजर ट्रेन खुलवाने का पूरा प्रयास करेंगे.इससे बिहार के कहलगांव पीरपैंती विक्रमशिला के यात्रियों को भी सहूलियत होगी भागलपुर से हावड़ा इंटरसिटी एक्सप्रेस या वन्दे भारत भाया साहिबगंज,फरक्का एक्सप्रेस में एचओ कोटा फिर से शुरू करने का पूरा आश्वाशन दिया.कहा प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में और गोड्डा सांसद डॉ निशिकांत दुबे के प्रयास से अपना संताल परगना विकसित संताल परगना बनेगा।

देखभाल के अभाव में पोषण वाटिका का बच्चों को नहीं मिल रहा है लाभ

मेदिनीनगर : पलामू के अधिकांश स्कूलों में विकसित किए गए पोषण वाटिका उचित देखभाल के अभाव में अनुपयोगी हो गया है। बच्चों को इसका समुचित लाभ अब नहीं मिल रहा है। हालांक चंद स्कूलों के शिक्षक व्यक्तिगत रूची के कारण पोषण वाटिका को सुरक्षित रखा है। पलामू में 2022-23 वित्त वर्ष में पोषण वाटिका बनाने के लिए स्कूलों को 5-5 हजार रुपए उपलब्ध कराए गए थे। इसके बाद से स्कूलों को पोषण वाटिका पर खर्च करने के लिए कोई राशि नहीं मिली है। पलामू के जिला शिक्षा अधीक्षक संदीप कुमार ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में 2496 स्कूलों में मध्याह्न भोजन को और अधिक पोषक बनाने के लिए पोषण वाटिका विकसित करने का निर्णय लिया गया गया था। इसी के तहत राशि दी गई थी। फिलवक्त जिले के 1035 स्कूलों में पोषण वाटिका है। शेष स्कूलों में पोषण वाटिका विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। जिन स्कूलों में चाहरदीवारी नहीं है, वहां के स्कूलों को कटीले तार से घेरकर पोषण वाटिका विकसित करने को कहा गया है। पोषण वाटिका का मुख्य उदेश्य बच्चों को स्वस्थ आहार और पोषण के बारे में जागरूक करना है। इसके अतिरिक्त यह बच्चों को बागवानी और प्रकृति से जोड़ने, कुपोषण को कम करने और स्थानीय रूप से उगाई गई सब्जियों के सेवन को बढ़ावा देना है।

विधायक ने मोहर्रम टूर्नामेंट का उद्घाटन और लाठी खेल में दिखा हैरतअंगेज प्रदर्शन

विधायक ने बढ़ाया खिलाड़ियों का हौसला

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : प्रखंड क्षेत्र के दक्षिण पलाशगाछी नया बाजार गांव में बीते मंगलवार रात को दक्षिण पलाशगाछी व प्राणपुर कमेटी की ओर से मोहर्रम टूनार्मेंट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन क्षेत्रीय विधायक मोहम्मद ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा, पाकुड़ विधायक प्रतिनिधि बरकत खान और राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर आयोजक कमेटी के सदस्य ताहुत रेजा उर्फ मिस्टर, जिब्राइल हुसैन और अब्दुल्ला शेख प्रमुख थे।ने बताया कि इस टूनार्मेंट में उधवा प्रखंड क्षेत्र और पड़ोसी पश्चिम

बंगाल से कुल 6 टीमों ने भाग लिया। टीमों ने बारी-बारी से अपने पारंपरिक लाठी खेल का अद्भुत प्रदर्शन किया। जिससे उपस्थित दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। विधायक मोहम्मद ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा ने इस अवसर पर कहा कि ऐसे आयोजनों से न केवल प्रतिस्पर्धा की भावना बढ़ती है।बल्कि आपसी प्रेम और भाईचारा भी मजबूत होता है। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे कार्यक्रम खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हैं। विधायक ने बेहतर खेल का प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहन पुरस्कार देकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता में शाहजहान शेख के कप्तानी वाली बांगी टोला फील्ड क्लोनी टीम ने पहला स्थान हासिल कर विजेता का खिताब जीता। वहीं, बहादुर शेख के नेतृत्व वाली आलोदी टोला, पश्चिम बंगाल की टीम दूसरे स्थान पर रही। पहले स्थान पर आने वाली टीम को फ्रिज और दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम को एलईडी देकर सम्मानित किया गया। मौके पर राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज, विधायक प्रतिनिधि मारूफ उर्फ गुड्डू, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अयूब अली, केंद्रीय समिति सदस्य इखलाकुर रहमान, जैनुल आबेदीन शेख, विश्वजीत मंडल, सिफरन अख्तर, इकबाल उर्फ बुलेट, कांग्रेस जिला महासचिव ऐनल हक अंसारी, काजू मलिक, राहुल शेख सहित सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित थे।

चंद्रशेखर आजाद ने क्रांति की अलख जगाई : अंकित

संवाददाता

साहिबगंज: शहर के आजाद नगर स्थित महान स्वतंत्रता सेनानी अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर आजाद सेवा ट्रस्ट द्वारा उनकी 119 वीं जयंती मनाई गई।प्रतिमा व प्रतिमा स्थल की सफाई के बाद उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण दीप प्रज्वलित कर उन्हें नमन किया गया।मौके पर आजाद सेवा ट्रस्ट अध्यक्ष टाइगर अंकित पाण्डेय ने कहा कि देश को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त कराने के लिए चंद्रशेखर आजाद ने क्रांति की अलख जगाई।उन्होंने कहा की चंद्रशेखर आजाद का नाम भारत के स्वतंत्रता संघर्ष के इतिहास में अमिट है।गुलाम भारत में एकमात्र आजाद रहने वाले शख्स थे चंद्रशेखर आजाद।भगत सिंह जैसे क्रांतिकारी भी इन्हें अपना गुरु मानते थे।वहीं उपस्थित सुबोध झा ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद भारत की आजादी में अमिट छाप छोड़ने वाले शख्स थे परंतु आज वोट बैंक की राजनीति ने ऐसे शख्स को गुमनाम कर दिया है।मौके पर शिक्षा अधिकारी संजय तिवारी मेजर कुमार संजय रोहित डीजे अमित प्रकाश मान अहूजा आदर्श ओझा प्रतीक ओझा सहित कई लोग उपस्थित थे।

न्यूज IN ब्रीफ

गंगा रिवर थाना ने 3 नाव किया जब्त

साहिबगंज : गंगा रिवर थाना पुलिस ने बुधवार को गंगा घाट के निकट से 3 नाव जब्त किया है।बताया जा रहा है। कि गंगा के जलस्तर में वृद्धि के बीच अपर समाहर्ता गौतम भगत ने क्षमता से अधिक सवारी ढोने पर रोक लगाई है। इसको लेकर पुलिस भी सतर्कता बरत रही है।थाना प्रभारी लव कुमार ने बताया कि तीन नाव को जब्त कर छानबीन की जा रही है।

बिजली विभाग का वाहन धराया

साहिबगंज: जिरवाबाड़ी थाना के निकट बुधवार को डीटीओ मिथिलेश चौधरी ने वाहन जांच के दौरान बिजली विभाग का एक ट्रांसफर्मर लदा पिकअप वैन जब्त कर लिया।वाहन की बॉडी तय मानक के अनुसार नहीं थी।डीटीओ ने बताया कि वाहन के कागजातों व फिटनेस की जांच की गई है।वाहन से संबंधित अन्य जांच की जा रही है।

अनाज वितरण में अनियमितता की शिकायत, मुखिया ने एसडीओ से की कार्रवाई की मांग

साहिबगंज/उधवा : उधवा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत उत्तरी बेगमगंज पंचायत में जनवितरण प्रणाली के तहत अनाज वितरण में बड़े पैमाने पर अनियमितता और धांधली का मामला सामने आया है। पंचायत की मुखिया प्रियंका कुमारी ने इस संबंध में अनुमंडल पदाधिकारी से शिकायत कर दोनों डीलरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। मुखिया प्रियंका कुमारी ने बताया कि उत्तरी बेगमगंज पंचायत के जनवितरण प्रणाली बिरसा मुंडा स्वयं सहायता समूह और जन वितरण प्रणाली के दुकानदार धरणीधर रविदास दोनों ही अनाज वितरण में धांधली और अनियमितता कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ये दुकानदार मनमाने ढंग से कार्ड धारियों को अनाज वितरित करते हैं। लाल कार्ड धारकों को प्रति यूनिट 4.5 किलो चावल दिया जाता है। जबकि नियमानुसार 5 किलो मिलना चाहिए। इसके अलावा किसी महीने दाल और नमक दिया जाता है। तो किसी महीने नहीं। राशन वितरण के समय किसी भी कार्ड धारी को पर्चा नहीं दिया जाता है और सूचना पट्ट भी अधूरा रहता है।हमेशा खाली रहता है। उन्होंने यह भी बताया कि दाल एक किलो की जगह 900 ग्राम दी जाती है और प्रत्येक कार्डधारी से 20 रुपये की अवैध वसूली भी की जाती है।शिकायत में यह भी कहा गया है। कि राशन वितरण की कोई सूचना मुखिया को नहीं दी जाती है। जब कार्डधारी की शिकायत पर मुखिया ने स्वयं जांच करने का प्रयास की तो डीलरों द्वारा कहा कि मुखिया को जांच करने का कोई अधिकार नहीं है। मुखिया ने इन गंभीर आरोपों के मद्देनजर दोनों डीलरों के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

दो नाबालिक को बरहरवा आरपीएफ ने किया बरामद

साहिबगंज/बरहरवा: बुधवार को स्टेशन परिसर में लगभग 8 बजे से बरहरवा आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार अपने आरपीएफ स्टाफ और बाल मंथन संस्थान ,चाइल्ड हेल्प लाइन बरहरवा की आराधना मंडल एवं गौतम कुमार के साथ संयुक्त रूप से मानव तस्करों के विरुद्ध बरहरवा रेलवे स्टेशन पर एक जांच अभियान चलाया जांच अभियान के दौरान जब प्लेटफार्म नंबर 01 रनिंग रूम के नजदीक पहुंचे तो देखा कि दो नाबालिग लड़के संदिग्ध तरीके से इधर-उधर घूम रहा है।पूछताछ करने पर उनमें से एक ने बोरियो थाना,साहिबगंज और दूसरे ने देदाग थाना,गोड्डा का रहने वाला बताया और बताया कि वह अपने माता-पिता को बिना कुछ बताए लखनऊ काम करने के लिए घर से भाग कर स्टेशन आ गया था।इसके बाद,उसकी गतिविधियों और बातचीत से संतुष्ट न होने के कारण, नाबालिग लड़को को हिरासत में ले लिया गया।इसके बाद,लड़के को हिरासत में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए आरपीएफ/पोस्ट/बरहरवा लाया गया।इसके बाद,सभी कानूनी औपचारिकताएँ पूरी करने के बाद,दोनों नाबालिग लड़को को आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए बाल संरक्षण मंथन बरहरवा की आराधना मंडल को सौंप दिया गया है।

जमीनी स्तर पर और मजबूत करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन

साहिबगंज:झारखंड प्रदेश कांग्रेस के महासचिव तनवीर आलम ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में औपचारिक भेंट की।इस महत्वपूर्ण मुलाकात में झारखंड में संगठन की वर्तमान स्थिति,युवाओं की भागीदारी,आगामी चुनावी रणनीति और जनहित से जुड़े कई अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।श्री खड़गे ने तनवीर आलम की संगठनात्मक सक्रियता एवं प्रतिबद्धता की प्रशंसा की और उन्हें पार्टी को जमीनी स्तर पर और मजबूत करने हेतु आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया।यह संवाद झारखंड में कांग्रेस की राजनीतिक धार को और तेज करने की दिशा में एक सशक्त कदम है।जो आने वाले समय में संगठन को और गति देगा।

स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद की मनी जयंती

मेदिनीनगर : बेरोजगार संघर्ष मोर्चा ने स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद की 119वीं जयंती मनाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता मोर्चा अध्यक्ष उदय राम ने की। उन्होंने कहा कि चंद्रशेखर आजाद भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रसिद्ध क्रांतिकारी थे। जिनका जन्म 23 जुलाई 1906 ई. को हुआ था। 17 वर्ष की उम्र में उन्होंने आजाद क्रांतिकारी दल हिंदुस्तान रिपब्लिकियन एसोसिएशन में शामिल हुए। सदर्श बध सेंट्रल असेंबली में भगत सिंह द्वारा बम फेकना, वायसराय को ट्रेन से उड़ाने की चेष्टा के साथ काकोरी कांड में उन्होंने सक्रिय भाग लिया। संजय कुमार ने चंद्रशेखर आजाद की जीवनी पर प्रकाश डाला। इस अवसर परअभिषेक कुमार, नवनीत कुमार ,कृष्णा राम, जयपाल मोची समेत कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

इन अभिनेत्रियों ने छोटे पर्दे से की शुरूआत

अब फिल्मों में खूब कमाया नाम

लीवुड में पहुंचने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ती है। इसके बाद उन्हें अच्छी फिल्में मिलती हैं और उनका नाम होता है। बॉलीवुड की कई ऐसी अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने छोटे पर्दे यानी टीवी से अपने करियर की शुरूआत की। इसके बाद वह बड़े पर्दे यानी बॉलीवुड तक पहुंचीं। आज दुनिया में उनका नाम है। आज इस खबर में हम उन अभिनेत्रियों के बारे में जानेंगे जिन्होंने छोटे पर्दे से बड़े पर्दे तक का सफर तय किया।

विद्या बालन

विद्या बालन बॉलीवुड में अलग अदाकारी के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने साल 1995 में हम पांच टीवी शो से अदाकारी में कदम रखा। इसके बाद वह बंगाली फिल्म में नजर आईं। उन्होंने बॉलीवुड में अपने अभिनय की शुरूआत साल 2005 में फिल्म परिणीता से की।

मौनी रॉय

मौनी रॉय आज बॉलीवुड की बड़ी एक्ट्रेस हैं। एक वक्त था जब वह छोटे पर्दे पर अदाकारी करती थीं। उन्होंने सबसे पहले साल 2006 में क्योंकि सास भी कभी बहू थी से अभिनय की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने बतौर एक्ट्रेस साल 2018 में फिल्म गोल्ड से अदाकारी शुरू की।

यामी गौतम

यामी गौतम अपनी सबसे पहली फिल्म विक्की डोनर (2012) से बहुत मशहूर हुईं। इसके बाद उन्हें कई फिल्में मिलीं। लेकिन उन्होंने अपने इभिनय की शुरुआत छोटे पर्दे से की थी। उन्होंने सबसे पहले टीवी सीरियल 'चांद के पार चलो' से अदाकारी की शुरूआत की थी।

मृणाल ठाकुर

मृणाल ठाकुर बॉलीवुड इंडस्ट्री का जाना पहचाना चेहरा हैं। उन्होंने अपना एक्टिंग करियर कुमकुम भाग्य टीवी शो से शुरू किया था। उन्होंने बॉलीवुड में लव सोनिया से कदम रखा। उन्होंने ऋतिक रोशन और जॉन अब्राहम के साथ काम किया।

प्राची देसाई

प्राची देसाई भी फिल्मों में जलवा दिखाने से पहले टीवी सीरियल में दमदार अदाकारी कर चुकी हैं। उन्होंने सबसे पहले कसम से सीरियल में अदाकारी की। उन्होंने रॉक आन से बॉलीवुड में कदम रखा। वह इमरान हाशमी के साथ फिल्म अजहर में भी नजर आ चुकी हैं।

रश्मिका को अच्छी लगती है बारिश की भीनी खुशबू, लेकिन एक चीज नहीं पसंद!

बारिश की पहली बूंदों की भीनी-भीनी सी खुशबू हर किसी को बहुत भाती है। मशहूर एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना को भी पहली बारिश की खुशबू बहुत पसंद है। लेकिन उन्होंने बारिश से होने वाली असुविधा को निराशाजनक बताया। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें पहली बारिश की खुशबू बहुत पसंद है, लेकिन उन्हें यह अच्छा नहीं लगता कि बारिश की वजह से सब कुछ धीमा हो जाता है।

रश्मिका ने इंस्टाग्राम पर बारिश का एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो पर एक लाइन लिखी है, जब बारिश होती है तो मिट्टी की खुशबू आती है। इस वीडियो को शेयर करते हुए रश्मिका ने लिखा, तो बारिश आ गई है... मुझे यह अच्छा नहीं लगता कि बारिश की वजह से सब कुछ थोड़ा धीमा हो जाता है, लेकिन कसम से! पहली बारिश की खुशबू सबसे अच्छी होती है और वह एहसास भी कमाल का होता है। यह सबसे प्यारा लगता है। वर्कफ्रंट की बात करें तो रश्मिका की झोली में कई फिल्में हैं, जिसमें आदित्य सरपोतदार की थामा, जिसमें आयुष्मान खुराना लीड रोल में हैं, साथ ही कुबेरा, पुष्पा 3, द गर्लफ्रेंड और रेनबो भी शामिल हैं।

20 मई को, रश्मिका ने जी सिने अवॉर्ड्स 2025 के रेड कार्पेट पर वॉक किया था। लुक की बात करें तो इस दौरान वह ब्लैक कलर की खूबसूरत मॉडर्न साड़ी में नजर आईं। इसके साथ उन्होंने डीप स्वीटहार्ट नेकलाइन वाला डिजाइनर ब्लाउज पहना हुआ था। इसके अलावा, गोल्डन हार्ट शेप की बालियां फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच रही थीं।

शानदार लुक पाने के लिए उन्होंने अपने बालों को खुला छोड़ा हुआ था। अपने इस लुक की तस्वीरें रश्मिका ने इंस्टाग्राम पर शेयर कीं और कैप्शन में लिखा, काफी समय बाद मैं फिर से रेड कार्पेट पर गई... आप सबका इतना प्यार मिल रहा है, जिससे मेरा दिल बहुत खुश है। बस आपको दिखाना चाहती थी कि उस दिन मैंने क्या पहना था...

टीवी पर जल्द शुरू हो रहा सुपर डांसर सीजन 5

टीवी का पसंदीदा डांस रियलिटी शो सुपर डांसर अपने पांचवें सीजन के साथ लौट रहा है। यह शो बच्चों की डांस प्रतिभा को मंच देता है। अब जब सीजन 5 की तैयारी शुरू हो गई है, तो दर्शकों के बीच उत्सुकता देखने को मिल रही है। इस नए सीजन में 12 बच्चे बतौर कंटेस्टेंट हिस्सा लेंगे। इस शो की जज एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी कुंद्रा, कोरियोग्राफर गीता कपूर और उनके साथ कोरियोग्राफर मर्जी पेस्टनजी होंगे। बता दें कि शिल्पा और गीता पहले भी शो की जज रह चुकी हैं। वहीं, मर्जी इस शो में पहले कई बार गेस्ट के तौर पर शामिल हो चुके हैं, लेकिन इस बार वह शो के नए जज बनकर आएंगे। शो के होस्ट परितोष त्रिपाठी होंगे। शो के बारे में अपनी उत्सुकता साझा करते हुए शिल्पा शेट्टी ने कहा, एक मां का सबसे बड़ा सपना होता है कि उसका बच्चा दुनिया में नाम कमाए। मैं खुद एक मां हूं, इसलिए जानती हूं कि मां का अपने बच्चे के लिए कितना प्यार और सपोर्ट होता है। जज के तौर पर मैं ऐसे परफॉर्मेंस देखना पसंद करती हूं जो सीधा दिल को छू जाए। जज गीता कपूर ने कहा, इस नए सीजन में खास बात ये है कि मां और बच्चे के रिश्ते को बहुत खूबसूरती से दिखाया जाएगा। हर कंटेस्टेंट अपने डांस में नए-नए आइडियाज लेकर आएंगे। वह बिना डर के एक्सपेरिमेंट करेंगे और पूरी मेहनत से बेहतरीन परफॉर्मेंस देंगे। मैं इन सभी कंटेस्टेंट्स को पहले से ही दिल से शुभकामनाएं देती हूं। कोरियोग्राफर मर्जी ने कहा, मैं पहले भी सुपर डांसर शो में गेस्ट बनकर आया हूं। जब भी मैं यहां आया हूं, हर बार बच्चों की काबिलियत, एनर्जी और जोश देखकर हैरान रह जाता हूं। कंटेस्टेंट्स के डांस देखकर मुझे वाकई बेहद खुशी होती है। पहली बार जज बनकर इस शो का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत खास और भावुक करने वाला अनुभव है। सुपर डांसर- सीजन 5 जल्दी ही सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर शुरू होने वाला है। लेकिन अभी तक शो की रिलीज डेट सामने नहीं आई है।

विक्रांत मैसी ने श्री श्री रविशंकर प्रसाद पर आधारित महावीर जैन और मार्फ़िलक्स पिक्चर्स की अंतर्राष्ट्रीय थ्रिलर फिल्म व्हाइट की तैयारी शुरू की

प्रभावशाली सिनेमा के पीछे दूरदर्शी निर्माता महावीर जैन और वैश्विक अपील वाली अत्याधुनिक फिल्में देने के लिए मशहूर सिद्धार्थ आनंद की मार्फ़िलक्स पिक्चर्स, फिल्म व्हाइट बनाने के लिए एक साथ आ रहे हैं, एक अंतरराष्ट्रीय थ्रिलर जो विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर प्रसाद के जीवन और शिक्षाओं पर गहराई से प्रकाश डालती है। विक्रांत मैसी की मुख्य भूमिका वाली फिल्म व्हाइट में मनोरंजक कहानी और गहन आध्यात्मिक अंतर्दृष्टि का मिश्रण होने का वादा किया गया है, जो सामाजिक रूप से जागरूक और वैश्विक रूप से प्रासंगिक फिल्म निर्माण में एक साहसिक अध्याय की नई शुरूआत करेगी। फिल्म की टीम ने अब इसकी गहन तैयारी शुरू कर दी है, जो एक प्रामाणिक और इमर्सिव सिनेमाई यात्रा की नींव रखेगी। इस तैयारी के हिस्से के रूप में, महावीर जैन ने व्यक्तिगत रूप से बेंगलुरु में आर्ट ऑफ़ लिविंग आश्रम की एक महत्वपूर्ण दौरा किया। प्रशंसित अभिनेता विक्रांत मैसी, जो श्री श्री रविशंकर की भूमिका निभा रहे हैं.

माइंडसेट को बनाओ मजबूत, नतीजे होंगे शानदार: रकुल प्रीत

मशहूर एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह न सिर्फ अपनी फिल्मों और खूबसूरती के लिए जानी जाती हैं, बल्कि अपनी पॉजिटिव सोच और लाइफस्टाइल के लिए भी चर्चा में रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक किताब का पन्ना शेयर किया, जिसमें जिंदगी से जुड़ी गहरी बात छिपी हुई थी। दरअसल, इस पन्ने पर लिखा था- आपके सोचने का तरीका, हमारी जिंदगी की बुनियाद होता है।

इस पोस्ट को शेयर करते हुए रकुल प्रीत सिंह ने कैप्शन में लिखा, माइंडसेट पर काबू रखें, तो नतीजों पर भी काबू होगा। यानी अगर आप अपने सोचने के तरीके पर काबू पा लेते हैं, तो आप अपने नतीजों पर भी काबू पा सकते हैं। रकुल का यह पोस्ट इस बात का सबूत है कि वह अपने फैंस का सिर्फ मनोरंजन ही नहीं करती, बल्कि जिंदगी से जुड़ी प्रेरणाएं भी उन्हें देती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने पिता के साथ पोस्ट शेयर किया था। इस पोस्ट में उन्होंने एक पुरानी तस्वीर साझा की, जिसमें वह अपने पिता के साथ स्कूटर पर बैठी हुई दिखाई दीं। यह तस्वीर उनके बचपन की थी। इस तस्वीर को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, सेना दिवस भले ही पूरी दुनिया में मनाया जाता हो, लेकिन मेरा दिल एक वर्दी के लिए धड़कता है, मेरे पापा की वर्दी के लिए। एक आर्मी ऑफिसर के बच्चे के रूप में मैंने बचपन से ही त्याग, सम्मान और हिम्मत का मतलब समझा। आज मैं सिर्फ अपने पापा को नहीं, बल्कि उन सभी सैनिकों को सलाम करती हूं, भारत और दुनिया भर के, जो खुद से पहले देश की सेवा को चुनते हैं। खासकर हाल के समय में भारतीय सेना की बहादुरी हमें याद दिलाती है कि शांति मुफ्त में नहीं मिलती, उसे सैनिकों की कुर्बानी से सुरक्षित रखा जाता है। मैं दिल से शुक्रगुजार हूं।

आर. माधवन के नाम पर ऑनलाइन लूट रही थी महिला, एक्टर ने खोलकर रख दी पोल

ऑनलाइन दुनिया में ठगी के धंधे भी बहुत हैं। कई बार ठग सितारों का नाम लेकर ठगी करते हैं। ऐसा ही कुछ एक महिला आर. माधवन के नाम पर करने की फिराक में थी। मगर, एक्टर ने समय रहते महिला ठग की पोल खोल दी। बड़े प्रोडक्शन हाउस और सुपरस्टार्स के नाम पर अक्सर मासूमों को ठगा जाता है। खासकर, वे लोग जो सिनेमा की दुनिया में करियर बनाने मायानगरी आते हैं। खुद को बड़े सितारों का मैनेजर बताकर न जाने ठग कितने ही मासूमों को अपने झांसे में फंसाते हैं। ऑनलाइन दुनिया में ऐसा ही एक महिला ठग अभिनेता आर. माधवन के नाम पर कर रही थी। मगर, एक्टर ने सूझबूझ दिखाई। पता चलते ही महिला की पोलपट्टी खोल दी।

अभिनेता आर. माधवन ने आज शनिवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर एक स्क्रीनशॉट शेयर किया है। यह श्रुति नैना नाम की एक प्रोफाइल का स्क्रीनशॉट है। इसके बायो में लिखा है, आर. माधवन की ऑफिशियल मैनेजर। एक्टर ने स्क्रीनशॉट में यह हिस्सा गोला लगाकर शेयर किया है। साथ ही लिखा है, फ्रॉड अलर्ट।

श्रुति नैना नाम की जिस प्रोफाइल का स्क्रीनशॉट शेयर किया गया है, इसके करीब सवा तीन सौ फॉलोअर्स हैं।

फ्लाइट के दौरान सिगरेट जलाने पर ब्रिटनी स्पीयर्स को चेतावनी

लॉस एंजेलिस। पॉप आइकन ब्रिटनी स्पीयर्स को उनके व्यवहार के लिए उड़ान के दौरान फटकार लगाई गई है। कई स्रोतों ने पुष्टि की है कि अपने सुरक्षाकर्मियों के साथ काबो सान लुकास से लॉस एंजिल्स की यात्रा के दौरान गायिका ने शराब पी रखी थी और उड़ान के दौरान सिगरेट जलाई थी। सिंगर की ओर से संघीय विमानन नियमों का उल्लंघन किया गया है। सिंगर के इस बर्ताव से चार्टर प्लेन में मौजूद फ्लाइट अटेंडेंट घबरा गए, क्योंकि विमान में धूम्रपान करना वर्जित होता है। फ्लाइट अटेंडेंट की ओर से बताया गया कि स्पीयर्स ने सिगरेट बुझा दी। फिर भी, उड़ान के बीच में ही अधिकारियों से संपर्क किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, जब विमान उतरा तो अधिकारियों ने सिंगर से मुलाकात की और उन्हें उड़ान के दौरान ऐसे बर्ताव को लेकर चेतावनी दी। बाद में उन्हें जाने की अनुमति दे दी गई। एक सूत्र ने पोर्टल को बताया, यह पहली चेतावनी नहीं है। इससे पहले भी वह इस तरह की हरकत कर विवादों में फंस चुकी हैं। सूत्र ने आगे कहा, वह नियमों का ठीक से पालन नहीं करतीं। सार्वजनिक चार्टर ऑपरेटर जेएसएक्स, जिस पर स्पीयर्स सवार थीं, उसने इस घटना के संबंध में कोई टिप्पणी नहीं की, जबकि गायिका के प्रतिनिधि ने भी टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया। सिंगर के मानसिक स्वास्थ्य और व्यवहार को पहले भी कई बार लोगों ने नापसंद करते हुए नाराजगी जताई है। 2000 के दशक की शुरुआत में कई परेशान करने वाली घटनाओं के बाद मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के कारण स्पीयर्स 13 साल तक गार्डियनशिप के अधीन रहीं।

बढ़े हुए वजन को लेकर ट्रोल हुई ऐश्वर्या राय, ट्रोल्स को फिर दिया करारा जवाब

बॉलीवुड की ग्लोबल आइकन और पूर्व मिस वर्ल्ड ऐश्वर्या राय बच्चन एक बार फिर कान्स फिल्म फेस्टिवल 2025 में अपने अनोखे और रॉयल अंदाज से चर्चा में आ गई हैं। इस बार ऐश्वर्या ने फेस्टिवल के पहले दिन एक पारंपरिक बनारसी साड़ी पहनकर सबका ध्यान खींच लिया। माथे पर सिंदूर, गले में चोकर और कंधों पर लहराता लंबा दुपट्टा–ऐश्वर्या का यह लुक भारतीय परंपरा और आधुनिकता का सुंदर मेल था।

सिंदूर से जुड़ा गहरा संदेश?

ऐश्वर्या के लुक की सबसे खास बात थी उनकी मांग में भरा सिंदूर, जिसे लेकर सोशल मीडिया पर कई चर्चाएं शुरू हो गईं। कई यूजर्स ने इसे हाल ही में वायरल हुए ऑपरेशन सिंदूर अभियान से जोड़ते हुए कहा कि यह ऐश्वर्या का एक साइलेंट स्टैंड हो सकता है–भारतीय संस्कृति के उस पक्ष के समर्थन में, जिसमें सिंदूर को एक विशेष पहचान दी जाती है। उनके इस देसी लुक की तस्वीरें इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं।

आठ साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी पर लियाम डॉसन ने कहा, अब मैं पहले से बेहतर गेंदबाज हूं

एजेंसी

मैनचेस्टर : इंग्लैंड के स्पिन गेंदबाज लियाम डॉसन ने करीब आठ साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी की है और अपने प्रदर्शन से यह जताया कि उम्र और अनुभव ने उन्हें और भी बेहतर गेंदबाज बना दिया है। 35 वर्षीय डॉसन ने 2929 दिनों बाद टेस्ट मैदान पर वापसी की और केवल सात गेंदों में ही भारत के यशस्वी जायसवाल का विकेट लेकर अपना खाता खोला। लॉर्ड्स में शोएब बशीर के चोटिल होने के बाद डॉसन को मैनचेस्टर टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम में शामिल किया गया। पहले दिन उन्होंने 15 ओवर में 45 रन देकर एक विकेट लिया। डॉसन ने माना

कि इतने लंबे अंतराल के बाद दोबारा टेस्ट खेलने से उन्हें घबराहट हुई थी। डॉसन ने मैच के बाद कहा, ₹हां, मैं नर्वस था। कई सालों से नहीं खेला था, लेकिन उम्र के साथ आप सीखते हैं कि नर्वसनेस को कैसे संभालना है। डॉसन ने 2016 में चेन्नई में भारत के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था और उसके बाद से उनका टेस्ट करियर ठहर सा गया था। लेकिन घरेलू क्रिकेट में उन्होंने खुद को साबित किया है। पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने हैम्पशायर के लिए 215 फर्स्ट क्लास विकेट लिए हैं और 12 बार पारी में पांच विकेट झटके हैं। दिलचस्प बात यह है कि पिछले साल इसी मैदान पर उन्होंने लंकाशायर के खिलाफ मैच में 10 विकेट लेकर शतक भी जमाया था, लेकिन उन्हें वह प्रदर्शन याद भी नहीं था। उन्होंने कहा, ₹सच कहूं तो मुझे वो लंकाशायर वाला मैच याद ही नहीं था। घरेलू क्रिकेट और टेस्ट क्रिकेट में बहुत फर्क होता है, लेकिन इस बार मुझे पता था कि क्या उम्मीद करनी है, जो डेब्यू के समय नहीं था। डॉसन ने अपनी प्रगति पर बात करते हुए कहा कि वह अब ज्यादा सुसंगत हैं और परिस्थितियों को बेहतर समझते हैं। उन्होंने कहा, ₹मैं पिच को अब बेहतर समझता हूं, बल्लेबाज क्या करना चाहते हैं यह भी थोड़ा भांप लेता हूं, और सबसे अहम झ मैंने पिछले कुछ वर्षों में बहुत ओवर फेंके हैं। जब आप ज्यादा गेंदबाजी करते हैं तो आप बेहतर बनते हैं। हालांकि उन्होंने पहले दिन के प्रदर्शन को लेकर खुद को ज्यादा ऊंचा नहीं आंकते हुए कहा, ₹यह तो बस एक विकेट है। इसमें कुछ खास नहीं किया है। हां, टीम के लिए योगदान देना अच्छा लगा, लेकिन अभी काफी क्रिकेट बाकी है। मुझे लगा था कि मेरा टेस्ट करियर खत्म हो गया है, लेकिन अब जब मौका मिला है तो हर दिन को एंजॉय करना चाहता हूं। लियाम डॉसन की यह वापसी न सिर्फ प्रेरणादायक है बल्कि यह भी दिखाती है कि संयम, मेहनत और अनुभव से एक खिलाड़ी खुद को दोबारा साबित कर सकता है झ चाहे वह वापसी कितनी भी देर से क्यों न हो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे 406 करोड़ के निवेश की पांच औद्योगिक इकाइयों का भूमि-पूजन

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश को औद्योगिक और रोजगार संपन्न राज्य बनाने की पहल रंग ला रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज गुरुवार, 24 जुलाई को भोपाल के अचारपुरा में 406 करोड़ रुपये के निवेश वाली पांच औद्योगिक इकाइयों का भूमि-पूजन करेंगे। साथ ही आठ उद्योगों के निवेशकों को भूमि आवंटन के आशय-पत्र भी सौंपेंगे। कार्यक्रम की शुरूआत अचारपुरा स्थित गोकलदास एक्सपोर्ट्स की गारमेंट यूनिट के भ्रमण से होगी, जहाँ लगभग 2500 महिलाएँ कार्यरत हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कार्यरत महिला श्रमिकों से संवाद करेंगे और इकाई में हो रहे उत्पादन कार्यों का अवलोकन करेंगे। यह इकाई न केवल औद्योगिक गतिविधियों बल्कि महिला सशक्तिकरण का भी एक सफल उदाहरण बनकर उभरी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव अचारपुरा में 31.21 हेक्टेयर भूमि पर विकसित की जा रही नई औद्योगिक परियोजना का भूमि-पूजन भी करेंगे। यह परियोजना लगभग 15.61 करोड़ रुपये से विकसित की जाएगी, जिससे भविष्य में 800 करोड़ रुपये तक के निवेश आकर्षित होने की संभावना है और 1000 से अधिक रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इस क्षेत्र को विशेष रूप से टेक्सटाइल और फार्मा सेक्टर के लिए विकसित किया जा रहा है।

आठ नई इकाइयों को सौंपे जाएंगे भूमि आवंटन के आशय-पत्र

मुख्यमंत्री डॉ. यादव कार्यक्रम में महालक्ष्मी दाल उद्योग, जियो फिल्टेक, प्रवाह एंटरप्राइजेज, योगी इंडस्ट्रीज, अजमेरा इंडस्ट्रीज, सामवी एंटरप्राइजेज और बैग क्रिएशन इंडिया इकाइयों को औद्योगिक भूखंड आवंटन के आशय पत्र भी सौंपेंगे। ये 8 इकाइयाँ 12494.5 वर्ग मीटर भूमि पर 1770 लाख रुपये का निवेश करेंगी और 186 से अधिक रोजगार के अवसर प्रदान करेंगी।

निवेशकों ने जताया विश्वास, सराहा सरकार का सहयोग

गोकलदास एक्सपोर्ट्स के प्रतिनिधि प्रदेश में निवेश के अनुभवों को साझा करेंगे। मध्यप्रदेश की स्थिर नीतियाँ, कुशल श्रमिक बल और समय पर मिल रही सुविधाओं से उन्होंने अचारपुरा में विस्तार का निर्णय लिया है। टेक्सटाइल, फार्मा और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर के अन्य उद्यमी भी प्रदेश सरकार और प्रशासन द्वारा दिए जा रहे सक्रिय सहयोग और नीतियों को साझा करेंगे। कार्यक्रम में औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के प्रमुख सचिव राघवेंद्र कुमार सिंह अचारपुरा को निवेशकों के लिए उद्योग अनुकूल बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा दी रही सुविधाओं की जानकारी देंगे। सरकार द्वारा निवेशकों को 'प्लग एंड प्ले' मॉडल, तेज स्वीकृति प्रक्रियाएँ और बेहतर लॉजिस्टिक्स जैसी सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। इन सुविधाओं से औद्योगिक इकाइयों को सुगमता से संचालन का लाभ मिलेगा और क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियाँ तेज होंगी।

टेक्सटाइल, फार्मा और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर को मिलेगा विस्तार

इस संबंध में आज जारी किए गए मुख?यमंत्री के प्रोग्राम के अनुसार डॉ. यादव टेक्सटाइल, फार्मा और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर से जुड़ी पांच प्रमुख इकाइयों का भूमि-पूजन करेंगे। इसमें इंडो एकॉर्ड अप्पैरल्स द्वारा 125 करोड़ रुपए के निवेश से 500 रोजगार, एसेड्स प्रा. लि. द्वारा 106 करोड़ रुपए के निवेश से 100 रोजगार, सिनाई हेल्थकेयर द्वारा 100 करोड़ रुपये से 200 रोजगार, समर्थ एग्रीटेक द्वारा 50 करोड़ रुपये से 200 रोजगार और गोकलदास एक्सपोर्ट्स द्वारा 25 करोड़ रुपये के निवेश से 500 रोजगार के अवसर सृजित होंगे। ये सभी 5 इकाइयाँ 12.88 हेक्टेयर क्षेत्रफल में स्थापित होंगी, जिसमें 406 करोड़ रुपये का निवेश और 1500 से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा।

छत्तीसगढ़ :17 जिलों में ऑरेंज अलर्ट और 11 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट

एजेंसी

रायपुर : मौसम विभाग ने मध्य और उत्तरी छत्तीसगढ़ के लिए भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। प्रदेश के 17 जिलों में ऑरेंज अलर्ट और 11 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है।मौसम विभाग के अनुसार आगामी 24 घंटे में भारी बारिश का क्षेत्र मुख्यतः दक्षिण छत्तीसगढ़ रहेगा। बस्तर, दंतेवाड़ा, सुकमा, बीजापुर और कोरबा जैसे जिलों में मूसलधार बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने कोंडागांव, कांकेर, धमतरी, बालोद, राजनांदगांव, गरियाबंद, महासमुंद, रायपुर, बलौदा बाजार, जांजगीर-चांपा, बिलासपुर, कोरबा, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, दुर्ग, बेमेतरा, कबीरधाम और मुंगेली जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन इलाकों में गरज-चमक के साथ 30झ्र40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं और मध्यम से भारी बारिश की संभावना है। जबकि सुकमा, बीजापुर, दंतेवाड़ा, बस्तर, नारायणपुर, रायगढ़, जशपुर, सुरगुजा, सूरजपुर, कोरिया और बलरामपुर में यलो अलर्ट जारी हुआ है. यहां गरज-चमक के साथ हल्की बारिश और तेज हवाओं की संभावना जताई गई है. मौसम विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार मानसून द्रोणिका इस समय फिरोजपुर से लेकर बंगाल की खाड़ी तक विस्तारित है। इसके साथ ही एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण पश्चिम मध्य और उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर 3.1 से 5.8 किलोमीटर की ऊंचाई तक सक्रिय है। इसके प्रभाव से आगामी 24 घंटे में एक निम्न दाब का क्षेत्र बनने की संभावना है, जिसके कारण प्रदेश में तेज बारिश हो सकती है ।इसी तरह अरब सागर से लेकर बंगाल की खाड़ी तक फैली एक द्रोणिका भी मौसम में नमी ला रही है। यह द्रोणिका दक्षिण गुजरात, महाराष्ट्र, विदर्भ, तेलंगाना होते हुए उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश तक 5.8 किलोमीटर की ऊंचाई पर सक्रिय है।इसकी वजह से छत्तीसगढ़ के कई जिलों में वर्षा की संभावना बनी हुई है। छत्तीसगढ़ में जुलाई माह में अब तक लगभग 300 मिमी बारिश दर्ज की गई है। इसमें से 198.2 मिमी बारिश 1 जुलाई से 11 जुलाई के बीच हुई।

ट्रंप प्रशासन ने हत्या के दोषी अमेरिकी को वेनेजुएला की जेल से रिहा कराया

एजेंसी

वाशिंगटन : ट्रंप प्रशासन ने हत्या के दोषी एक अमेरिकी व्यक्ति को वेनेजुएला की जेल से रिहा कराया है। अदालती दस्तावेजों से पता चलता है कि पिछले सप्ताह कैदियों की अदला-बदली के तहत वेनेजुएला की एक जेल से रिहा किए गए एक व्यक्ति ने तीन लोगों की हत्या की थी। इस व्यक्ति का नाम दाहुद हनीद ओर्टिज बताया गया है। उसके पास अमेरिकी और वेनेजुएला की दोहरी नागरिकता है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, अमेरिकी विदेश विभाग ने पिछले हफ्ते वेनेजुएला की एक जेल से 10 अमेरिकियों और वैधानिक रूप अमेरिका के स्थायी निवासियों की रिहाई सुनिश्चित कराई। विदेशमंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि यह अहम कदम विदेशों में अन्यायपूर्ण तरीके से बंदी बनाए गए अमेरिकियों की भलाई की रक्षा के प्रयास का प्रतीक है। मैड्रिड स्थित अभियोजक कार्यालय के एक अधिकारी ने पहचान न उजागर करने का आग्रह करते हुए वेनेजुएला के अदालती रिकॉर्ड के हवाले से बताया कि जेल से रिहा किए गए लोगों में से एक अमेरिकी-वेनेजुएला की नागरिकता प्राप्त दाहुद हनीद ओर्टिज भी है। उसे 2016 में स्पेन की राजधानी मैड्रिड में तीन लोगों की हत्या के लिए वेनेजुएला में दोषी ठहराया गया था। वेनेजुएला की एक अदालत ने 2023 में उसे 30 साल जेल की सजा सुनाई थी। सैन्य दस्तावेजों के अनुसार 54 वर्षीय ऑर्टिज ने अमेरिकी सेना में 19 साल सेवा की। इराक में घायल होने पर उसे पर्पल हार्ट से सम्मानित किया गया। सेना के अनुसार, ओर्टिज को कई बार इराक में तैनात किया गया। इस दौरान कई बार उन्हें शारीरिक चोट आई। बाद में धोखाधड़ी और चोरी का जुर्म साबित होने पर उन्हें सेना से बर्खास्त कर दिया गया।

गाजा में भुखमरी की चेतावनी को इजराइल ने नकारा, हमास के दुष्प्रचार का हिस्सा बताया

तेल अवीव : गाजा में इजराइल के रवैये से मानवीय सहायता का संकट और सामूहिक भुखमरी के विभिन्न मानवाधिकार समूहों की चेतावनी को खारिज करते हुए इजराइल ने दावा किया है कि यह हमास के दुष्प्रचार को प्रोत्साहित करने वाला हथकंडा है। इजराइल का दावा है कि गाजा में बड़ी मात्रा में मानवीय सहायता पहुंच रही है जो यूएन द्वारा उठाए जाने का इंतजार कर रही है। इसे इजराइल ने संकट का मुख्य कारण बताया है। इजराइल के विदेश विभाग की तरफ से दावा किया गया है कि गाजा में बड़ी मात्रा में मानवीय सहायता यूएन टीम की तरफ से लिए जाने का इंतजार कर रही हैं।इजराइल का कहना है कि खाद्य सहायता लेकर 4500 ट्रक गाजा में प्रवेश कर चुके हैं, जिनमें बेकरी के लिए आटा और 2500 टन शिशु आहार एवं बच्चों के लिए उच्च कैलोरी वाला खाद्य पदार्थ शामिल है। जबकि गाजा में 700 से ज्यादा मानवीय सहायता वाले ट्रक यूएन की तरफ से उठाए जाने का इंतजार कर रहे हैं। खाद्य पदार्थों और मानवीय सहायता की निरंतर आपूर्ति में इसे बाधक बताया है। इजराइल ने उन खबरों को हमास के प्रचारतंत्र का हथकंडा बताया है जिसमें गाजा में व्यापक स्तर पर सामूहिक भुखमरी फैलने की आशंका जताई गई थी। एकदिन पहले बुधवार को सौ से अधिक गैर सरकारी सहायता संगठनों और मानवाधिकार समूहों ने यह चेतावनी दी थी। इनका कहना था कि इजरायली हमलों और नाकाबंदी की वजह से गाजा में हालात बहुत खराब हैं और वहां व्यापक स्तर पर भुखमरी फैल रही है। इजराइल का कहना है कि युद्धविराम के लिए वार्ता के दौर में इस तरह के दावे हमास के दुष्प्रचार को बढ़ावा दे रहे हैं और और इस आतंकी संगठन के मंसूबों को मजबूती दे रहे हैं।

बिजली के झूलते तार ने ली मासूम की जान, परिवार में मचा कोहराम

मीरजापुर : पड़री थाना क्षेत्र के उमरिया अयोध्या प्रसाद गांव में बुधवार रात दर्दनाक हादसे में एक मासूम बच्ची की जान चली गई। घर में लगे बिजली के बोर्ड से झूल रहे तार को छूने के कारण 6 वर्षीय प्रीति करेंट की चपेट में आ गई, जिससे उसकी मौके पर ही हालत गंभीर हो गई। परिजन आनन-फानन में उसे पास के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रीति गांव निवासी बलवंत कुमार की पुत्री थी, जो घर पर रहकर मजदूरी का कार्य करते हैं। घटना के बाद पूरे परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की जांच की जा रही है।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत मजबूती के साथ हुई थी। हालांकि बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.26 प्रतिशत और निफ्टी 0.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टाटा मोटर्स, डॉक्टर रेड्डीज लेबोरेट्रीज, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, एटरनल और आयशर मोटर्स के शेयर 2.29 प्रतिशत से लेकर 1.01 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर ट्रेंट लिमिटेड, हीरो मोटोकॉर्प, कोटक महिंद्रा, इंफोसिस और बजाज फाइनेंस के शेयर 1.92 प्रतिशत से लेकर 0.51 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,398 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,341 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,057 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 8 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 22 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 21 शेयर हरे निशान में और 29 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 53.31 अंक की तेजी के साथ 82,779.95 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होने के थोड़ी देर बाद ही बाजार में बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के दौरान बीच-बीच में खरीदारों ने लिवाली का जोर बना कर बाजार को सहारा देने की कोशिश भी की। इसके बावजूद इस सूचकांक की चाल पर कोई विशेष असर नहीं पड़ा। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 217.97 अंक की गिरावट के साथ 82,508.67 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 23.40 अंक की मामूली बढ़त के साथ 25,243.30 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलने के बाद बिकवाली के दबाव की वजह से ये सूचकांक भी गिर कर लाल निशान में पहुंच गया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 44.90 अंक टूट कर 25,175 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन बुधवार को सेंसेक्स 539.83 अंक यानी 0.66 प्रतिशत की मजबूती के साथ 82,726.64 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 159 अंक यानी 0.63 प्रतिशत की उछाल के साथ 25,219.90 अंक के स्तर पर बुधवार के कारोबार का अंत किया था।

लॉरी की चपेट में आकर दो नाबालिगों की मौत, एक गंभीर रूप से घायल

हावड़ा : जिले में बुधवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो नाबालिगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा रात करीब 10 बजे अंदुल रोड स्थित कदमतला इलाके में हुआ। पुलिस के अनुसार, तीन नाबालिग एक ही बाइक पर सवार होकर अपने घर लौट रहे थे। तभी पीछे से तेज रफ्तार में आ रही एक लॉरी ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बाइक सवार तीनों सड़क पर गिर पड़े, जिसमें दो किशोर लॉरी के पहियों के नीचे आकर कुचले गए और उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। तीसरे किशोर को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है जिसका इलाज अभी चल रहा है। मृतकों की पहचान राज लस्कर और इरफान मोल्ला के रूप में हुई है, जबकि घायल किशोर का नाम शौल्टू मोल्ला है। तीनों हावड़ा के सांकराईल थाना अन्तर्गत मानिकपुर गोड़ा बांध इलाके के निवासी थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और लॉरी को जब्त कर लिया। सीसीटीवी फुटेज की मदद से लॉरी की पहचान कर चालक की तलाश शुरू की गई है। हादसे के बाद इलाके में काफी देर तक यातायात बाधित रहा। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है और यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि दुर्घटना में लापरवाही किस ओर से हुई। मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

न्यूज IN ब्रीफ

ईआरसीपी का पहला नवनेरा बांध 56 प्रतिशत भरा, अगले तीन दिन में फुल होने की संभावना

कोटा : ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट (ईआरसीपी) के तहत बने पहले नवनेरा बांध में पानी का भराव शुरू हो गया है। जल संसाधन विभाग द्वारा 21 जुलाई को सभी 27 गेट बंद किए जाने के बाद मात्र तीन दिन में ही बांध 56 प्रतिशत भर गया है। गुरुवार सुबह तक इसमें 127.28 मिलियन क्यूबिक मीटर (एमक्यूएम) पानी दर्ज किया गया, जबकि इसकी कुल भराव क्षमता 226.65 एमक्यूएम है। विभाग के अनुसार वर्तमान में बांध में 44,920 क्यूसेक पानी की आवक हो रही है। जल संसाधन विभाग के एक्सईएन मनोज शर्मा ने बताया कि बांध में कालीसिंध, परवन, आहू, उजाड़ और चंद्रभागा नदियों का पानी आता है। यदि यही आवक बनी रही तो अगले दो से तीन दिनों में बांध पूरी तरह भर सकता है। इस वर्ष विभाग ने 170 एमक्यूएम (करीब 75 फीसदी) तक पानी भरने की अनुमति दी है। जलस्तर में तेजी से हो रही बढ़ोतरी के चलते बांध के भराव क्षेत्र और नदियों के किनारे बसे गांवों में अलर्ट जारी कर दिया गया है। गौरतलब है कि पिछले साल 8 से 12 सितंबर के बीच परीक्षण के तौर पर बांध में पानी भरा गया था, लेकिन 217 मीटर स्तर पर पहुंचने के बाद इसे खाली कर दिया गया था। इस बार बांध को भरा रखा जाएगा, हालांकि फिलहाल इससे पानी लिफ्ट करने का पूरा ढांचा तैयार नहीं है। नवनेरा बांध का उपयोग भविष्य में पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों में पेयजल और सिंचाई के लिए किया जाना प्रस्तावित है। बांध में जलस्तर की निगरानी के लिए सेंसर और गेट संचालन के लिए स्काडा नियंत्रित पैनल लगाए गए हैं। गेट का संचालन मैनुअल और ऑटोमैटिक दोनों तरीके से किया जा सकता है। हर गेट पर सीसीटीवी कैमरे और कंट्रोल रूम में लाइव मॉनिटरिंग के लिए स्क्रीन की सुविधा उपलब्ध है। कोटा जिले की दीगोद तहसील के ऐबरा गांव में स्थित यह बांध 30 सितंबर 2024 को निर्माण पूर्ण होने के बाद तैयार घोषित किया गया। इसकी कुल लंबाई 1,410 मीटर है और इसमें 27 रेडियल गेट (प्रत्येक 15७16 मीटर आकार के) लगाए गए हैं। डूब क्षेत्र में 656.37 हेक्टेयर वन भूमि और 495.16 हेक्टेयर निजी भूमि शामिल है।

मणिपुर में विभिन्न उग्रवादी संगठनों के कई उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल : मणिपुर में बीते 24 घंटों के दौरान सुरक्षा बलों ने कई उग्रवादी संगठनों के कैडरों को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया है। ये सभी प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े थे और राज्य में जबरन वसूली व अन्य गैरकानूनी गतिविधियों में लिप्त थे। पुलिस प्रवक्ता ने गुरुवार को जानकारी दी कि केसीपी (टी) गुट के दो उग्रवादियों को शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी विभागों और आम नागरिकों से जबरन वसूली करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। इनकी पहचान कोंजेंगबम कंता मेइतेई (23) और सनातोम्बा अहैबम उर्फ सना उर्फ टोम्बा (24) के रूप में हुई है। दोनों इम्फाल वेस्ट निवासी हैं। एक अन्य कार्रवाई में प्रीपाक (प्रो) संगठन के उग्रवादी सोरोखैबम ओलेन मेइतेई (18) उर्फ थोइबा उर्फ ओक्नगक्पा को चिरेन मयाई लैइरक, ककचिंग से गिरफ्तार किया गया। वहीं, केसीपी (पीडब्ल्यूजी) संगठन के सनाबम इबुंगो मेइतेई (27) उर्फ लांगम्बा, निवासी इम्फाल ईस्ट को पकड़ा गया। वह घाटी क्षेत्र के पेट्रोल पंपों से जबरन वसूली में शामिल था। उसके पास से एक मोबाइल फोन, सात केसीपी (पीडब्ल्यूजी) डिमांड नोट और अन्य सामग्री जब्त की गई। एक अन्य कार्रवाई में केसीपी (एमसी) संगठन का उग्रवादी हिदांगमयुम नाओचा शर्मा (35), निवासी बिष्णुपुर वार्ड नंबर 8, (वर्तमान पता: सायंग बोरी लैइरक) को व्यवसायियों से वसूली करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। एक संयुक्त अभियान में आरपीएफ/पीएलए संगठन के सदस्य वारिबम अजय सिंह (25) उर्फ लैशेम्बा, निवासी टेल्लौ मयाई लैइरक, इम्फाल ईस्ट को लैम्पेल थाना क्षेत्र के लांगोल मेइतेई लैइरक, जोन-कककसे गिरफ्तार किया गया। एक अन्य कार्रवाई में प्रीपाक और पीएलए संगठनों से जुड़े एक-एक उग्रवादी को मोरेह थाना क्षेत्र, तेंग्नौपाल जिले के बॉर्डर पिलर 73(10) और 73(11) के बीच जंगल क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार उग्रवादियों की पहचान थिंगनाम अमुजाओ सिंह (57) उर्फ मुनाल, निवासी ककचिंग खुनौ गांव, ककचिंग (प्रीपाक) तथा कंगजम मोटेआ मैतेई (33) उर्फ तम्थौबा, निवासी ग्वालताबी लामलाई, इम्फाल ईस्ट (पीएलए) के रूप में हुई है। इससे पहले, यूकेएनए संगठन का एक उग्रवादी बोइथोंग खोंगसाई (29), निवासी मोलपही, खूपुम, तमेंगलोंग को सुगनूझ्रचंडेल रोड, चंडेल थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया था। राज्य में उग्रवादी गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए सुरक्षा बलों का यह अभियान लगातार तेज किया जा रहा है।

बलरामपुर : कन्हर और सिंदूर नदी का संगम स्थल हुआ मनमोहक, आ रहे पर्यटक

बलरामपुर : कन्हर और सिन्दूर नदी का संगम इन दिनों एक अलग ही मनमोहक दृश्य प्रस्तुत कर रहा है। आते जाते लोग ठहर कर इस दृश्य को देखने लग जाते हैं। तेज बारिश के कारण दोनों नदिया बलरामपुर में मिलती है। यहां का नजारा देखने लायक होता है। उल्लेखनीय है कि, कन्हर नदी उत्तर सरगुजा की सबसे बड़ी नदी है। जो जशपुर जिले के एक पठार से निकलती है और अंततः उत्तर प्रदेश में बहने वाले सोन नदी में मिल जाती है। कन्हर नदी सोन नदी के प्रमुख सहायक नदियों में गिनी जाती है। ठीक इसी प्रकार सिन्दूर नदी भी कन्हर नदी की एक सहायक नदी है। सिंदूर नदी में कन्हर की तरह बारहमासी नदी हैं। कन्हर और सिंदूर दोनो ही नदी बलरामपुर जिले की जीवन रेखा मानी जाती हैं। इनके तट पर ही प्रायः पर्व त्यौहार तथा अन्य बड़े उत्सव संपन्न होते हैं। कन्हर नदी तो छत्तीसगढ़ तथा झारखंड की सीमा रेखा ही निर्धारित करती है जो अंत तक बनी रहती है। कन्हर नदी अपनी अन्य सहायक नदियों के साथ पश्चिम की ओर बहती हुई जहाँ पूरी तरह उत्तराभिमुख होती है वहां यह उत्तरप्रदेश, झारखंड और छत्तीसगढ़ तीनों की सीमा रेखा बन जाती है। अपने उद्गम से लेकर संगम तक कुछ स्थानों को छोड़ दें तो कन्हर नदी प्रायः आबादियों के बीच होकर ही बहती है। इसके दोनों तटों पर नगर और ग्राम बसे हुए है। उत्तर प्रदेश के आखिरी पूर्वी छोर पर अमवार नामक गांव में तो इस पर एक विशाल बांध का निर्माण उ.प्र. सरकार द्वारा किया गया है। इस पानी का उपयोग ताप विद्युत परियोजना के लिए किया जा रहा है। इस बांध के निर्माण से बलरामपुर जिले के पश्चिमी क्षेत्र के अनेक गांव भी प्रभावित हुए और लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। हालांकि सरकार ने विस्थापितों को भरपूर मुआवजा नियमानुसार दिया है। फिर भी विस्थापन का दर्द ती होता ही है। बहरहाल बरसात के इन दिनों में कन्हर और सिंदूर के मिलन का दृश्य देखने लायक होता है। छत्तीसगढ़ का आखिरी उत्तरी नगर रामानुजगंज को स्पर्श करती कन्हर नदी जैसे ही पश्चिम की ओर आगे बढ़ती है मात्र कुछ किलोमीटर की दूरी पर इससे मिलने को बेताब सिंदूर नदी से इसका मिलन हो जाता है। दीनों नदियों के मिलने का यह दृश्य देखने लायक होता है। खासकर बरसात में कन्हर नदी का बैग सिंदूर नदी से कई गुना तेज होता है। ऐसे में जब बाड़ का पानी कनार में अपने पूरे उफान पर होता है तो संगम स्थल पर सिंदूर का पानी कन्हर नदी के उतरने तक लगभग हरसा जाता है। कहना चाहिए कि कन्हर में पूरी तरह समाहित होने के लिए तब सिंदूर नदी को देर तक इन्तजार करना होता है।

मप्र में पेसा एक्ट के बेहतर क्रियान्वयन के लिए आज होगा त्रि-पक्षीय अनुबंध

भोपाल : पेसा एक्ट के मध्य प्रदेश में बेहतर क्रियान्वयन के लिए आज (गुरुवार को) त्रि-पक्षीय अनुबंध होने जा रहा है। मध्य प्रदेश जल एवं भूमि प्रबंध संस्थान वाल्मी में शाम चार बजे से आयोजित कार्यक्रम में पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव, मप्र पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रमुख सचिव एवं इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी अमरकंटक के बीच यह अनुबंध होगा। कार्यक्रम में पेसा एक्ट पर बनी पुस्तिका का विमोचन भी किया जाएगा। इस दौरान देशभर से आए पेसा एक्ट पैनलिस्ट, विशेषज्ञों के बीच चर्चा होगी। प्रदेश में पेसा एक्ट के बेहतर क्रियान्वयन, उपनियमों को लागू करना, जनजातीय समुदाय को प्रशिक्षण देना, जनजातीय समुदाय की परंपराओं की रक्षा, नए शोध, जनजातीय कलाओं को सुरक्षित रखे जाने और जनजातीय समुदाय के बीच हो रहे बेहतर कार्यों का प्रचार-प्रसार पर विचार-विमर्श होगा। कार्यक्रम में भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय के सचिव विवेक भारद्वाज, मप्र पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव दीपाली रस्तोगी एवं मप्र पंचायत राज संचालनालय के संचालक सह आयुक्त छोटे सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

न्यूज IN ब्रीफ

शिव किशोर शर्मा बने मानव अधिकार मिशन के राज्य मीडिया सचिव

रांची : विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों से जुड़े छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा को *मानव अधिकार मिशन (ह्यूमन राइट्स मिशन)* के *राज्य मीडिया सचिव* नियुक्त किए गए है।क्लब के मुख्य राष्ट्रीय संयोजक संतोष कुमार श्रेयांश ने कहा शिव किशोर शर्मा प्रचार, प्रसार,मीडिया,जनसंपर्क आदि के क्षेत्र मे लंबे समय से अपनी जिम्मेवारी निभा रहे हैं।मिशन के प्रदेश अध्यक्ष(वरीय अधिवक्ता झारखंड उच्च न्यायालय)माननीय पी.के.लाला जी द्वारा प्रदेश उपाध्यक्ष सोहिनी राय जी की मौजूदगी मे उक्त घोषणा की गई है।श्री शिव किशोर शर्मा जी को राज्य मीडिया सचिव नियुक्त किए जाने पर छात्र क्लब ग्रुप की विभिन्न इकाई पर्यावरण मंच,बुद्धिजीवी मंच,चिकित्सक मंच,मानव कल्याण मंच,कला संस्कृति एवं खेलकूद मंच,प्रौद्योगिकी मंच, श्रमिक कल्याण मंच,समाचार पत्र विक्रेता मंच,हरे राम हरे कृष्ण मंच,चाय विक्रेता मंच, कृषक कल्याण मंच आदि के सदस्यों ने खुशियां मनाई और प्रदेश अध्यक्ष वरीय अधिवक्ता पी. के.लाला,प्रदेश उपाध्यक्ष सोहिनी राय एवं बैठक(झारखंड उच्च न्यायालय)मे उपस्थित लोकप्रिय अधिवक्ता सोनाली भट्टाचार्य (झारखंड उच्च न्यायालय),अधिवक्ता नमित कुमार,अधिवक्ता प्रीति सिंहा,अधिवक्ता भूपेंद्र सिंह एवं अधिवक्ता अनंत विक्रम के प्रति आभार जताई।
अपनी प्रतिक्रिया मे श्री शर्मा ने कहा मिशन के हित मे सहृदय लगन पूर्वक कार्य करूंगा।

भारतीय मजदूर संघ का स्थापना दिवस मनाया गया

रामगढ़ : भारतीय मजदूर संघ का स्थापना दिवस बुधवार को तोपा परियोजना में मना। इस अवसर पर सीसीएल कोलियरी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष निर्गुण महतो ने भारतीय मजदूर संघ का ध्वज फहराया तथा भारत माता , भगवान विश्वकर्मा एवं भारतीय मजदूर संघ के संस्थापक दत्तोपंत ठेंगड़ी के चित्र पर पुष्प अर्पित किया। सीसीएल कोलियरी कर्मचारी संघ अध्यक्ष निर्गुण महतो ने कहा कि भारतीय मजदूर संघ की स्थापना 23 जुलाई 1955 ई० भोपाल में दत्तोपंत ठेंगड़ी ने की थी। कुजू क्षेत्रीय सचिव रतन प्रसाद साहू ने कहा कि भारतीय मजदूर संघ सदा मजदूरों के हितों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहता है। यही कारण है कि आज श्रमिक भारतीय मजदूर के साथ भारी संख्या में जुड़ रहे हैं। इस दौरान कर्मचारियों के बीच मिठाई का वितरण किया। मौके पर अनूप लाल चौधरी, मंगलदेव महतो, तोपा अध्यक्ष कौलेश्वर राम, डीडी मंडल, नागेश्वर करमाली, पानो देवी, मनोज प्रसाद, सीताराम कैवर्ता, जयधन राम, रेखा कुमारी, सरस्वती देवी, सोनिया देवी सहित काफी संख्या में महिला-पुरुष कर्मी उपस्थित थे।

बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को लेकर उपायुक्त ने की बैठक

रामगढ़ : बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को लेकर उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज ने बैठक किया। बैठक के दौरान जिला सहकारिता पदाधिकारी मनोज कुमार ने उपायुक्त सहित बैठक में उपस्थित अन्य अधिकारियों को बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत विभाग से प्राप्त निर्देश एवं अब तक जिले में योजना के तहत किए गए कार्यों की जानकारी दी। बैठक के दौरान उपायुक्त ने बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का व्यापक प्रचार प्रसार करने एवं ज्यादा से ज्यादा लाभुकों को योजना से लाभान्वित करने का निर्देश दिया। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (सहकारिता प्रभाग) अन्तर्गत किसानों की बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत खरीफ फसल 2025 के लिए फसल बीमा कराई जा रही है। लाभ लेने के लिए किसान नजदीकी प्रज्ञा केंद्र अथवा पोर्टल डब्लूडब्लूडब्लू.पीएमएफबीवाय. गोव. इन पर ऑनलाईन स्वतः आवेदन फार्म लॉगइन के माध्यम से दे सकते है। बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई तक है। पंजीकरण में आधार कार्ड, बैंक पासबुक , राजस्व पदा० द्वारा निर्गत भूमि प्रमाण पत्र (नवीनतम) तत्काल उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में मुखिया / प्रधान से सत्यापित वंशावली एवं भूमि विवरणी, बटाई प्रमाण पत्र (नोटराईज्ड शपथ पत्र) 5 स्वसत्यापित फसल बुआई प्रमाण पत्र, मोबाईल नम्बर वांछित है। शेष जानकारी के लिए कार्यालय जिला सहकारिता पदाधिकारी रामगढ़ दूरभाष संख्या 9431108778, एचडीएफसी ईगो जीआईसी लिमिटेड हेल्पलाइन नंबर- 14447 पर सम्पर्क किया जा सकता है। गौरतलब होकि योजना का लाभ लेने हेतु किसानों को ₹1 की टोकन राशि का भुगतान करना होगा, वही योजना के तहत खरीफ फसल अंतर्गत अगहनी धान के लिए 68775 रुपए, भदई मकई के लिए 53287.50 रुपए प्रति हेक्टेयर का बीमा किया जाएगा।

प्रधान डाकघर के काउंटरों पर दिखी ग्राहकों की भीड़

रामगढ़ : बुधवार को रामगढ़ कैंट प्रधान डाकघर में सभी काउंटरों पर पहले की तरह काम शुरू हो गया। आज से डाक विभाग की सभी सेवाओं को नए सॉफ्टवेयर आईटी 2.0 में काम किया जा रहा है। आज सभी काउंटरों पर भीड़ नजर आई। खासकर कई दिनों से रजिस्ट्री, स्पीड पोस्ट की बुकिंग नहीं हो रही थी। उसके लिए भी लोग आज से प्रधान डाकघर में बड़ी संख्या में आ रहे हैं। रक्षा बंधन त्योहार के लिए कई बहनों ने राखी को डाक सेवा द्वारा अपने भाइयों को भिजवाया। बहनों में उत्साह और चेहरे पर रखी को लेकर चमक दिखाई दी ।

उपायुक्त ने देर रात विभिन्न क्षेत्रों का किया निरीक्षण

रामगढ़ : विगत मंगलवार की देर रात्रि को उपायुक्त रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज ने रामगढ़ शहर अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विधि व्यवस्था आदि का जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने रामगढ़ शहर अंतर्गत थाना चौक, सुभाष चौक, बस स्टैंड, नेहरू रोड, चट्टी बाजार सहित अन्य क्षेत्र में विधि व्यवस्था आदि का जायजा लिया। साथ ही उन्होंने सड़क किनारे सो रहे मजदूरों से भी बातचीत कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली एवं समस्याओं के समाधान को लेकर उन्हें आश्वासन दिया।

खेत की मिट्टी हाथ में लगे, तभी समझ आता है कि देश की असली नींव कहां है: डीआईजी

डीआईजी ने की धान रोपनी, कहा- खेती हमारी संस्कृति है, इससे जुड़ाव ही असली नेतृत्व की पहचान

आवासीय परिसर में की बासमती धान की रोपनी, लोगों को दिया खेतों से नाता न तोड़ने का संदेश

बिनय मिश्रा

खेत-खलिहान सिर्फ अन्न नहीं देते, जीवन की जड़ों से जोड़ते हैं। इसी भावना के साथ पलामू प्रक्षेत्र के डीआईजी नौशाद आलम ने गुरुवार को अपने आवासीय परिसर में धान की रोपनी कर एक सशक्त सामाजिक संदेश दिया। उन्होंने लोगों से अपील की कि सावन के इस पवित्र महीने में अच्छी बारिश का लाभ उठाएं और खेती-किसानी से दूरी नहीं, बल्कि आत्मीयता रखें।
डीआईजी ने अपने परिसर के उस हिस्से को चुना, जो अब तक अनुपयोगी पड़ा था और जहां वर्षा का पानी जमा था। वहां उन्होंने स्वयं बासमती धान की रोपनी की। चियांकी स्थित बिरसा कृषि विश्वविद्यालय की शाखा से मंगाए गए बासमती बिचड़े का उपयोग कर उन्होंने यह कार्य होमगार्ड के जवानों के सहयोग से पूरा किया। इस अवसर पर स्थानीय महिला-पुरुष भी उपस्थित रहे और मिठाइयों के साथ इस क्षण को साझा किया गया।
डीआईजी नौशाद आलम ने कहा कि वे एक साधारण ग्रामीण पृष्ठभूमि से आते हैं और खेती उनकी परवरिश का हिस्सा रही है। उन्होंने बताया कि मैं मानता हूं कि अधिकारी हो या आम नागरिक, खेती से नाता कभी नहीं छूटना चाहिए। यह सिर्फ रोजगार नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, विरासत और आत्मसम्मान से जुड़ी परंपरा है।
उन्होंने कहा कि खेत में उतरकर काम करना केवल श्रम नहीं, बल्कि समाज को एक सकारात्मक दिशा देने का प्रयास है। यह पहल न केवल किसानों को प्रेरित करती है, बल्कि यह संदेश भी देती है कि प्रशासनिक पदों पर बैठा व्यक्ति भी जमीन से जुड़ा रह सकता है।

चक्रधरपुर में बेहतर विद्युत व्यवस्था के अंतर्गत केबल तार लग रहे हैं कार्यपालक अभियंता

ज्योति पाठक

चाईबासा के विद्युत कार्यपालक अभियंता तथा चक्रधरपुर के प्रभारी कार्यपालक विद्युत अभियंता गौतम राणा ने जानकारी देते हुए बताया कि चक्रधरपुर में विद्युत तार के लिए अब ठोस व्यवस्था और स्थाई व्यवस्था की जा रही है इसी क्रम में अंडर वायरिंग व्यवस्था के अंतर्गत केबल तार बिछाए जा रहे हैं ।
इस कार्य के फलस्वरुप अब तेज हवा और आंधी से तार उखाड़ने और टूटने की समस्या का भी स्थाई तौर पर समाधान होगा ।
कार्यपालक अभियंता श्री राणा ने बताया कि चक्रधरपुर में आंधी और तेज हवा के फल स्वरुप तार टूटने और उखड़ने की समस्या काफी लंबे समय से है जिसके फल स्वरुप इस परिस्थिति में कई कई घंटे विद्युत आपूर्ति प्रभावित हो जाती है इसके स्थाई समाधान के लिए अब केबल तार बिछाए जा रहे हैं जिससे इस समस्या का स्थाई तौर पर समाधान तो होगा ही साथ ही साथ अब लोगों को विद्युत आपूर्ति निर्बाध रूप से सरल और सहज मिलेगी। विदित हो की कर्मठ और उत्कृष्ट कार्य के लिए पहचाने जाने वाले विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता गौतम राणा अपने बेहतर कार्यों के लिए पहचाने जाते हैं और विद्युत संबंधी समस्याओं का निष्पादन तत्क्षण करना उनके विशेषता और उपलब्धि में शामिल है । ऐसे कार्यपालक अभियंता निश्चित तौर पर विभाग और जिला के लिए गौरव है।

बरही सेवा केंद्र में दिव्य ईश्वरीय रक्षाबंधन समारोह आयोजित

बरही : प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय, पटना रोड स्थित बरही सेवा केंद्र द्वारा दिव्य ईश्वरीय रक्षाबंधन का आयोजन श्रद्धा और भावनाओं के साथ किया गया। इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों से लोगों ने भाग लिया और आध्यात्मिक वातावरण में रक्षासूत्र बंधवाया। इस अवसर पर बरही अनुमंडल के पुलिस पदाधिकारी अजीत कुमार विमल ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था भारतीय संस्कृति और अच्छे संस्कारों की सच्ची रक्षक और प्रचारक है। यह संस्था विश्व में शांति और वसुधैव कुटुंबकम की भावना को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। उन्होंने परमपिता परमेश्वर से पूरे विश्व में शांति स्थापना और भाईचारे की भावना के विस्तार की कामना की। बरही प्रखंड विकास पदाधिकारी जयपाल महतो ने कार्यक्रम में कहा कि आज के समय में भी और आने वाले भविष्य के लिए भी हमें आध्यात्मिक प्रेम से जुड़ने का प्रयास करना चाहिए। यही सच्चा मार्ग है जिससे समाज में स्थायी शांति और सद्भाव स्थापित हो सकता है। बरही सेवा केंद्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी रीना बहन ने बताया कि रक्षा सूत्र वास्तव में प्रेम और आध्यात्मिक शक्ति का प्रतीक है। इसे बांधकर हम परमात्मा भोलेनाथ से अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति की प्रार्थना करते हैं और अपने आंतरिक विकारों को त्यागने का संकल्प लेते हैं।उन्होंने आगे कहा कि परमात्मा शिव भोलेनाथ को विभिन्न नामों से जाना जाता है, लेकिन वह समस्त आत्माओं के पिता हैं, जो हर किसी को आध्यात्मिक बल और ज्ञान प्रदान करते हैं। कार्यक्रम में कई गणमान्य लोग उपस्थित थे, जिन्होंने संस्था की ओर से बंधे गए रक्षासूत्र को ईश्वरीय प्रेम और शक्ति का प्रतीक मानते हुए स्वीकार किया और संस्था के कार्यों की सराहना की।

पिता के संरक्षण में बेटे ने नाबालिक के साथ किया था दुष्कर्म, पुलिस अनुसंधान में हुआ खुलासा

सिमडेगा : कोलेबिरा थाना क्षेत्र में नाबालिक का अपहरण और दुष्कर्म के चर्चित मामले में सिमडेगा पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के बाद, आरोपी के पिता को भी गिरफ्तार कर बुधवार को जेल भेज दिया।जानकारी देते हुए कोलेबिरा थाना प्रभारी हर्ष कुमार शाह ने बताया कि कोलेबिरा थाना क्षेत्र में एक नाबालिक के साथ चार दिनों तक आरोपी द्वारा अपने घर में रखकर दुष्कर्म करने का मामला प्रकाश में आया था। जिसमें आरोपी द्वारा पीड़िता का अश्लील वीडियो भी बनाकर वायरल करने का भी मामला आया था। इस मामले में पीड़िता के परिजनों ने कोलेबिरा थाने में अपहरण, बलात्कार और अश्लील वीडियो बनाने के मामले दर्ज करवाया। इसके बाद पुलिस आरोपी जो नाबालिक है उसे निरुद्ध कर बाल संप्रेषण गृह भेजा था। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़िता द्वारा अपहरण करने की भी बात आई थी। अनुसंधान के दौरान पुलिस ने पाया कि इस पूरी घटना में आरोपी के पिता का संरक्षण आरोपी को मिला था। अपहरण और दूसरा की घटना में आरोपी को संरक्षण देने के आरोप में पुलिस ने आरोपी के पिता अलाउद्दीन को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

वाहन चेकिंग अभियान के दौरान वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा की जानकारी दी गया

गुमला : उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक गुमला के निदेर्शानुसार मोटरयान निरीक्षक एवं सड़क सुरक्षा के द्वारा पालकोट थाना में मोटरसाइकिल वाहन चेकिंग के दौरान ड्राइवरो को जागरूक किया गया , सड़क सुरक्षा के नियमो के अनुपालन तथा मोटरसाइकिल वाहन चेकिंग के दौरान पकड़े जाने 35 लोगो को यातायात नियमो के प्रति जागरूक करने को लेकर सड़क-सुरक्षा टीम के द्वारा रोड सेफ्टी काउंसलिंग किया गया` इस दौरान आये लोगो को यातायात नियमो एवं वाहन चलाते समय हेलमेट एवं सीट बेल्ट जैसे सुरक्षित उपकरणों के इस्तेमाल से कैसे सड़क पर होने वाले दुर्घटनाओं को कम किया जा सकता है और अपनी व यातायात का उपयोग कर रहे अन्य व्यक्तियों के जान की रक्षा की जा सकती है।
मोटरवाहन जनित सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की सहायता करने के उद्देश्य से गोल्डन लङ्क४१ अस्पताल पहुचाने में वाले नेक व्यक्ति को प्रोत्साहित करने हेतु 2,000/-(दो हजार) रुपए मात्र नगद के साथ प्रशस्ति पत्र प्रदान करने की योजना लागू है। इस योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार के साथ ताकि किसी भी व्यक्ति के सड़क दुर्घटना के क्रम में घायल व्यक्ति को एक घंटा के अंदर (गोल्डन ऑवर में) अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्ति को दो हजार रुपए की पुरस्कार राशि एवं प्रशस्ति पत्र दिये जाने का प्रावधान किया गया है।इसके अलावे दुर्घटना से पीड़ित व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने वाले अस्पताल में अपना नाम दर्ज कराएं, ताकि चिकित्सक प्रमाणित कर सकें कि घायल व्यक्ति को किसने मदद की है उस मददकर्ता को गुड सेमेरिटन के तहत 2,000 रु एवं प्रशस्ति पत्र दी जा सके। साथ ही सड़क हादसों में मृत्यु दर को कम करने के उदेश्य से लोगों को इस संशोधित अधिनियम की ज्यादा से ज्यादा जानकारी प्रदान की जा सके और लोग एक दूसरे को इसके प्रति जागरूक कर सके एवम इसके साथ साथ हिट एंड रन के बारे में बिस्तर पूर्वक बतलाया गया किसी अज्ञात वाहन से दुर्घटना घटित होने पर 2,00000(दो लाख) एवम गंभीर रूप से घायल होने पर 50,000 (पचास हजार) का प्रावधान है। जांच की इस प्रक्रिया में दंड राशि वाहन से संबंधित आवश्यक कागजात नहीं प्रस्तुत करने पर 63,000 हजार दंड राशि वसूला गया।

गुमला सदर अस्पताल में एसएनसीयू हुआ बंद

बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण डिवाइस नहीं चल रहा

संवाददाता

गुमला : गुमला सदर अस्पताल में एस. एन. सी. यू. बंद, विद्युत आपूर्ति बारिश होने के कारण और डिवाइस नहीं चलने के कारण 28 नवजात शिशुओं को सदर अस्पताल के डॉक्टरों द्वारा राँची रिम्स रेफर कर दिया गया , जो स्वास्थ्य विभाग के उच्च पदाधिकारियों सहित, गुमला सदर अस्पताल के स्वस्थ्य विभाग के उच्च पदाधिकारियों, सिविल सर्जन, उपाधीक्षक और डाँक्टरो ने 28 नवजात शिशुओं को राँची रिम्स रेफर कर अपनी और अपने विभाग को बचाने के चक्कर में मानव सेवा करने की ढोल की पोल खोलते हुए, अपने चेहरे से नकाब उतर दी हैं, क्योंकि 28 नवजात शिशुओं के जीवन और मृत्यु का सवाल उठ खड़ा हुआ है , (स्वस्थ्य सेवा में आने से पूर्व लिए गए मानव सेवा ₹ के शपथ पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया) फिर भी उक्त 28 नवजात शिशुओं के जीवन से खिलवाड़ करते हुए, उन्हें रांची रिम्स रेफर कर दिया गया, जबकि होना यह चाहिए था, की गुमला सदर अस्पताल के उच्च पदाधिकारियों द्वारा इस संबंध में विशेष कर * स्वास्थ्य मंत्री * और रांची रिम्स के उच्च पदाधिकारियों से इस संबंध मे विस्तृत संवाद करते हुए और उक्त 28 नवजाउच्चशु के जीवन बचाने के उद्देश्य से , स्वास्थ्य मंत्री एवं रांची रिम्स के उच्च पदाधिकारियों को विस्तृत जानकारी देते हुए,उक्त बच्चों को गुमला सदर अस्पताल के पदाधिकारियों और डॉक्टरों द्वारा उक्त सभी 28 नवजात शिशुओं को गुमला सदर अस्पताल के एंबुलेंस द्वारा 28 नवजात शिशओं और उनके माताओं को भेजकर उन्हें बेहतर चिकित्सा व्यवस्था दिलाई जा सकती थी, पर ऐसा नहीं किया गया, बाल्कि गरीब लाचार और आदिवासी ग्रामीणों को भगवान भरोसे छोड़ दिया गया, उक्त 28 नवजात शिशुओं के माता, पिता औरत परिजनों ने बताया की हम लोग गरीब आदिवासी परिवार से आते हैं फिर हमारे पास इतना पैसा कहाँ हैं की हम लोग अपने बच्चों को रांची रिम्स लेजाकर इलाज कराये, अगर किसी प्रकार उधार लेकर पैसे का जुगाड़ कर भी लेते हैं तो हमारे पास इतना सोर्स पैरवी भी नहीं है कि हम अपने बच्चों को रांची रिम्स के एस एन सी यू , में भर्ती करा सकें, यह आदिवासी बहुत गुमला जिला का दुर्भाग्य नहीं तो और क्या है उक्त घटना, मानव सेवा के शपथ लेने वालों और मानव सेवा का दुहाई देने वालों ने मानव सेवा नाम को शर्मसार कर दिया, मानवता जाए तो कहां जाए, उसके माथे पर गरीबों का चिन्ह लगा हुआ है।